ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 338 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो
भोपाल
05 जून 2025 गुरुवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
22 न्यूनतम

विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम, इस वर्ष थीम- प्लास्टिक प्रदूषण उन्मूलन

पर्यावरण फ्रेंडली उद्योगों को प्रोत्साहन व स्वच्छ ऊर्जा को देंगे बढ़ावा : सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आज मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यहां कहा कि आने वाली पीढ़ी को बेहतर धरती और वातावरण सौंपने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति सभी को सचेत होना होगा। राज्य सरकार पर्यावरण अनुकूल उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय पौराणिक कथाओं में भी वृक्षों, नदियों, पहाड़ों के साथ-साथ वन्यजीवों की पूजा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा दी गई है, हमें इनसे प्रेरणा लेनी होगी। सीएम ने यह बात पर्यावरण दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कही। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष पर्यावरण दिवस का विषय प्लास्टिक प्रदूषण उन्मूलन है। इससे पहले सीएम यादव ने सभागार परिसर में पौधा लगाकर एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ सिंदूर, रक्तचंदन और आंवले का पौधा लगाकर किया । इस मौके पर पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार, मंत्री कृष्णा गौर,सांसद वीडी शर्मा, महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा व भगवान दास सबनानी साथ थे।

अब पर्यावरण सुधार के लिए सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहन देगी मप्र सरकार

■ इस मौके पर मुख्यमंत्री यादव ने सभी को स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में योगदान देने की जरूरत बताई व कहा कि वायु की गुणवत्ता मे सुधार, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और जल संरक्षण के लिए व्यक्तिगत जवाबदेही और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना जरूरी है। यादव ने कहा कि जलस्रोतों का प्रदूषण नियंत्रण विषय पर कार्यशाला भी आयोजित की गई है। उन्होंने एकीकृत पर्यावरण प्रबंधन पोर्टल का शुभारंभ किया तथा राज्य वेटलैंड प्राधिकरण द्वारा तैयार वेटलैंड एटलस का विमोचन किया। इस दौरान पोर्टल पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने चार पीएचडी छात्रों को पर्यावरण छात्रवृत्ति प्रदान की। उन्होंने पर्यावरण प्रबंधन पर विकसित पाठ्य सामग्री का विमोचन भी किया।

इधर.. रेवेन्यू सिस्टम पर शुरू हुआ मंथन

■ तीन दिन पहले मप्र कैबिनेट द्वारा प्रमुख राजस्व आयुक्त यानि पीआरसी और आयुक्त भू अभिलेख (सीएलआर) के पदों को मर्ज किए जाने के बाद अब वेब जीआईएस सॉल्यूशन पर आधारित कार्यशाला के जरिए केरल, कर्नाटक, असम और आंध्र प्रदेश के रेवेन्यू सिस्टम के नवाचार पर चर्चा आज से शुरू हुई है। इस कार्यशाला में शहरी संपत्ति के सर्वे और भू-स्थानिक (जियो स्पेशियल) डाटा प्रबंधन पर डिस्कसन होगा। इसमें एप के जरिए प्रॉपर्टी वैल्यूएशन, प्रॉपर्टी के एक से अधिक मालिकों की स्थिति और रिकॉर्ड अपडेट बनाए रखने की प्रायोगिक जानकारी दी जाएगी। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय का भूमि संसाधन विभाग और एमपीएसईडीसी द्वारा संयुक्त रूप से दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन कल तक भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईसर) भौरी भोपाल में चलेगा। कार्यशाला में देशभर के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ और भू-प्रबंधन से जुड़े एक्सपर्ट भाग ले रहे हैं। बताया जाता है कि नक्शा वेब-जीआईएस सॉल्यूशन पर आधारित कार्यशाला में इस प्लेटफॉर्म की क्षमताओं का शहरी संपत्ति सर्वेक्षण और भू-स्थानिक (जियो स्पेशियल) डाटा प्रबंधन में उपयोग को लेकर जानकारी दी जाएगी। कार्यशाला का उद्देश्य भूप्रबंधन और प्रशासनिक प्रणाली को पारदर्शी और तकनीक सक्षम बनाना है।

'अमेरिका बता सकता है क्या हुआ था'

सरेंडर विवाद में थरूर बोले- तीसरे पक्ष की हमें जरूरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से पीएम मोदी पर दिए गए %सरेंडर% बयान पर लगातार सियासी बहस के बीच अब कांग्रेस सांसद शशि थरूर की एंट्री भी हो गई है। थरूर ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के आउटरिच मिशन का नेतृत्व कर रहे हैं और अभी वाशिंगटन डीसी में है। उनसे मीडिया ने राहुल गांधी के उक्त बयान पर प्रतिक्रिया मांगी और पूछा कि भारत-पाकिस्तान के बीच हालिया टकराव के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप की कथित मध्यस्थता की कोशिशों का मुद्दा लगातार उठ रहा है। इस महिला पत्रकार ने कहा कि राहुल गांधी ने कहा है कि मोदी ने ट्रंप के सामने सरेंडर कर दिया?तो जवाब में थरूर ने कहा कि हमारे मन में अमेरिका के राष्ट्रपति पद के प्रति अगाध आस्था है लेकिन अपने बारे ये कह सकते हैं कि हमने किसी को मध्यस्थता करने के लिए नहीं कहा, जब तक पाकिस्तान आतंकवाद की भाषा का इस्तेमाल करता रहेगा, हमें पाकिस्तानियों के साथ वही भाषा बोलने में कोई परेशानी नहीं है। हम ताकत की भाषा का इस्तेमाल करेंगे, और इसके लिए किसी तीसरे पक्ष की जरूरत नहीं है। थरूर ने कहा अगर दूसरी ओर वे आतंकवाद के ढांचे को नष्ट करना चाहते हैं, हम उनसे बात कर सकते हैं। पाकिस्तान यदि भारत के साथ सामान्य रिश्ते चाहता है तो हम बात करने को तैयार हैं और इसके लिए हमें किसी मध्यस्थ की जरूरत नहीं होगी। थरूर ने कहा कि किसी भी स्थिति में भारत को रुकने के लिए मनाने की जरूरत नहीं थी। बदले में अमेरिका ने पाकिस्तानियों से कहा, आप रुक जाएं क्योंकि भारतीय रुकने के लिए तैयार हैं और उन्होंने ऐसा ही किया, हालांकि पाकिस्तान और वही बता सकते हैं कि आखिरकार हुआ क्या था।

बेंगलुरू हादसे के बाद सियासी युध्द में....

सभी जिम्मेदारी से पल्ला झड़ने लगे तो हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

बंगलुरू, एजेंसी।

पहली बार आईपीएल विजेता बनने वाली रॉयल चैंलेंजर्स बेंगलुरु का जश्न फीका पड गया है, इस पर हादसे की छाया पड़ गई है। कल शाम विजेता खिलाड़ियों के स्वागत में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर जुटी भीड़ में भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत के बाद भी अभी कई घायलों की हालात गंभीर है। इस मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने खुद नोटिस लिया है और दोपहर ढाई बजे इस पर सुनवाई होगी। जबकि सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने थाने में शिकायत दर्ज कराके सीएम सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार और कर्नाटक क्रिकेट बोर्ड पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उल्लेखनीय है कि इस हादसे के बाद सिद्धारमैया ने कहा कि 'मैं इस घटना का बचाव नहीं कर रहा, लेकिन देश में पहले भी कई बड़े हादसे हुए हैं, जैसे कुंभ मेले में 50-60 लोगों की जान गई। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि हम जिम्मेदारी से बचें।' वहीं, भाजपा ने उनके इस्तीफे की मांग की है। इधर आज कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा, कर्नाटक सरकार पीड़ितों को मुआवजा देगी, लेकिन यह कार्यक्रम कर्नाटक क्रिकेट बोर्ड के अंतर्गत आता है।

तीन लाख का जुटान

■ आरसीबी की विक्ट्री परेड में शामिल होने के लिए स्टेडियम में 3 लाख से ज्यादा लोग पहुंच गए थे, जबकि क्षमता सिर्फ 35 हजार की थी। प्रशासन के इंतजाम नाकाफी साबित हुए, जिसकी कीमत 11 परिवारों के लोगों को अपनों की जान देकर चुकानी पड़ी। हादसे के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर जूते-चप्पलों का ढेर लगा हुआ था। स्टेडियम के भीतर जब खिलाड़ी ट्रॉफी के साथ झूम रहे थे, तब स्टेडियम के बाहर लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे थे।

इस बार सिर्फ 350 लोग आमंत्रित

अयोध्या में राम दरबार की प्राणप्रतिष्ठा चार्टर्ड प्लेन से पहुंचे हीरे-सोने के आभूषण

अयोध्या, एजेंसी।

आज राम मंदिर में राम दरबार की अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा हो गई। सीएम योगी ने राम दरबार का पूजन किया, प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम 11.25 से 11.40 बजे तक चला। रामलला के गर्भगृह के ऊपर यानी फर्स्ट फ्लोर में राम दरबार बनाया गया है। इसमें श्रीराम, मां सीता, तीनों भाई- लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के साथ-साथ हनुमान की मूर्ति हैं। रामदरबार के लिए सूरत के कारोबारी मुकेश पटेल ने हीरे, सोने-चांदी के आभूषण दान दिए हैं। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश नेवादिया ने कहा- दान दिए आभूषणों में एक हजार कैरेट का हीरा, 30 किलो चांदी, 300 ग्राम सोना, 300 कैरेट रुबी से 11 मुकुट बनाए गए हैं। इनके अलावा, गले का हार, कान के कुंडल, माथे का तिलक, चारों भाइयों के लिए धनुष-बाण हैं। इन आभूषणों को चार्टर्ड प्लेन से अयोध्या लाया गया। इसे राम मंदिर ट्रस्ट को दान किया गया। 22 जनवरी 2024 यानी 498 दिन पहले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। उल्लेखनीय है कि पिछले साल रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा में जहां देशभर के बड़े कारोबारियों, फिल्मी हस्तियों को आमंत्रित किया गया था। वहीं, आज राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा में 350 लोगों को आमंत्रित किया है। इसमें ज्यादातर ट्रस्ट के पदाधिकारी, साधु संत हैं। रामदरबार की मूर्तियों को जयपुर में तैयार किया गया है। ये मूर्तियां मकराना के सफेद संगमरमर से बनी हैं। इसमें भगवान श्रीराम और सीता सिंहासन पर विराजमान हैं।

ठाकरे का फिर हिंदी विरोध, अनिवार्यता खत्म करने की मांग

मुंबई, एजेंसी। एमएनएस नेता राज ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार से अपील करते हुए कहा, कि 'वो लिखित आदेश जारी करे कि पहली कक्षा से बच्चों को सिर्फ मराठी और इंग्लिश पढ़ाई जाएगी, हिंदी को अनिवार्य नहीं किया जाएगा।' उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार ने पहले तीन भाषाएं पढ़ाने का फैसला लिया था और अब हिंदी की किताबें छप भी गई हैं। अगर सरकार अब फिर से हिंदी को जरूरी करती है, तो एमएनएस आंदोलन करेगी। दरअल, महाराष्ट्र में 16 अप्रैल को राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने का फैसला लिया गया था, इसके तहत राज्य के मराठी और अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाया गया था।

अमेरिका ने 12 देशों पर बैन लगाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 12 देशों के लोगों के अमेरिका आने पर पूरी रोक लगाने का आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम अमेरिका की सुरक्षा और लोगों की जान की हिफाजत के लिए जरूरी है। यह बैन 9 जून से लागू हो रहा है। इनके अलावा 7 देशों के नागरिकों पर आंशिक रोक भी लगाई है। ये इमिग्रेशन और नॉन-इमिग्रेशन दोनों तरह के वीजा पर लागू होगी। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका को ऐसे विदेशी नागरिकों से सुरक्षित रखना जरूरी है जो आतंकवादी हमले करने, राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने, नफरत फैलाने या इमिग्रेशन कानूनों का गलत फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2017 में भी एक ट्रैवल बैन लगाया था, जिसे अक्सर मुस्लिम बैन कहा जाता है। इसमें ज्यादातर मुस्लिम बहुल देशों को शामिल किया गया था।

मेट्रो एंकर

भूख से बिलबिलाते बच्चों के लिये दवा, राशन लेकर बढ़ रहा कारवां

द मेडलीन... गाजा की ओर बढ़ते जहाज से परेशान इजरायल, एक को तबाह कर चुका, मगर इस बार सवार है ग्रेटा थनबर्ग !

नई दिल्ली, एजेंसी।

इन दिनों आटा, पानी, दूध, दवाइयां, बच्चों के डायपर और सेनेटरी पेड़ लेकर पानी का एक जहाज तेजी से गाजा की ओर बढ़ रहा है। मकसद है भूख से बिलखते और दम तोड़ते लोगों तक मानवीय सहायता पहुंचाना। इसका एक और मकसद भी है, कि गाजा में इजरायल की नाकेबंदी को तोड़ना, लेकिन अब इस पर विवाद भी हो गया है। इस विवाद के केंद्र में है- ग्रेटा थनबर्ग जो मशहूर पर्यावरण कार्यकर्ता हैं। वे इस जहाज पर सवार हैं। गाजा पहुंच रहे इस जहाज का नाम मेडलीन है। यह मानवाधिकार संगठन एफसीसी से जुड़ा हुआ है। इस जहाज का नाम गाजा की पहली और इकलौती फिशरवुमन के नाम पर रखा गया है। यह जहाज एक जून को इटली के सिसली के बंदरगाह से रवाना हुआ था और यह 2000 किलोमीटर की दूरी तय कर सात जून तक गाजा पहुंच सकता है, बशर्ते कि इजरायल की नौसेना रोड़ा ना अटकाए। बताया जा रहा है कि ग्रेटा थनबर्ग की इस गाजा यात्रा पर इजरायल की सेना ने सख्त आपत्ति जताई है।

इजरायली सेना के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने कहा कि हम इस पर नजर रखे हुए हैं। हम इस बार भी तैयार है। हम इस केस में भी स्थिति के अनुसार ही कार्रवाई करेंगे। इससे संकेत मिल रहे हैं कि इजरायल इस बार भी जहाज को गाजा तट तक पहुंचने से रोकने के लिए कमर कस चुका है। हालांकि ये एफसीसी का कोई पहला जहाज नहीं है, बल्कि इससे पहले भी इस संगठन ने एक महीने पहले एक जहाज को गाजा के लिए रवाना किया था लेकिन दो मई को इजराइल के ड्रोन अटैक में इसे नष्ट कर दिया था। इधर थनबर्ग ने कहा कि हमें यह कर रहे हैं क्योंकि हमें गलत के खिलाफ खड़ा होना चाहिए. हमें कोशिश करनी चाहिए क्योंकि जिस पल हम कोशिश करना छोड़ देंगे, उस पल हम हमारी मानवता को छोड़ देंगे।

कौन कौन हैं सवार

■ इस जहाज में स्वीडन की 22 साल की जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग सहित कई मानवाधिकार कार्यकर्ता भी सवार हैं। लेकिन इजरायल इसे लेकर अलर्ट हो गया है। इस जहाज में चिकित्सा सुविधाएं, खाद्य सामग्री और अन्य जरूरी सामान है। इस जहाज में ग्रेटा थनबर्ग के साथ-साथ 11 अन्य कार्यकर्ता भी हैं, जिनमें फ्रांस की सांसद रीमा हसन, जर्मनी की यासमीन जार, फ्रांस के बैप्टिस्टे आंद्रे, ब्राजील के थियागो अविला, फ्रांस के उमर फईद, पैस्कल और यानीस महादी, तुर्किए के सूयाब ओर्दू, स्पेन के सर्गियो टॉर्बियो, नीदरलैंड्स के मार्को वैन रेन्स और फ्रांस की रेवा वियार्ड शामिल हैं।

प्रवेश को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र ने जारी किए नए दिशा निर्देश

निजी स्कूलों की आवंटित सीटों पर 10 जून तक होंगे प्रवेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के बच्चों के निशुल्क प्रवेश के संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने निर्देश जारी किये हैं। 29 मई को केन्द्रीयकृत ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों को अशासकीय विद्यालय आवंटित किये गये हैं। आवेदकों को आवंटन संबंधी सूचना केन्द्र ने एसएमएस के माध्यम से प्रेषित की है।

अशासकीय स्कूल में प्रवेश 10 जून तक ही हो सकेगा। नियत तिथि के बाद आवंटन-पत्र स्वत:?निरस्त हो जायेगा। पालकों को यह जानकारी भी दी गयी है कि एक बार प्रवेश लेने के बाद भविष्य में स्कूल परिवर्तन नहीं हो सकेगा। इस संबंध में अशासकीय स्कूलों को भी निर्देश जारी किये गये हैं। विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक को आवंटन एवं प्रवेश की रिपोर्ट की समीक्षा प्रतिदिन करने के लिये कहा गया है। यदि किसी पालक द्वारा उनके बच्चे का स्कूल में सीट आवंटन के बाद संबंधित स्कूल द्वारा आवंटित विद्यार्थी को प्रवेश देने से मना करने की शिकायत मिलती है तो डीपीसी द्वारा तत्काल कलेक्टर के माध्यम से संबंधित स्कूल के विरुद्ध वैधानिक करवाई जायेगी।

आरटीई पोर्टल पर मिलेगी सभी जानकारी- ?

आवेदक अशासकीय विद्यालयों के आवंटन की स्थिति, आरटीई पोर्टल पर उपलब्ध ऑप्शन से देख सकते हैं। पालकों से कहा गया है कि अशासकीय स्कूल का आवंटन होने की स्थिति में आवेदक आवेदन में दर्ज रजिस्टर्ड मोबाइल तथा बच्चे का फोटो आवश्यक दस्तावेज की एक प्रति छात्र को साथ लेकर अशासकीय स्कूल में जाये।

संबंधित स्कूल को देना होगा ओटीपी

निर्देश में कहा गया है कि पालक एडमिशन के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले कि वह अपने बच्चे को आवंटित स्कूल में ही प्रवेश कराना चाहते हैं, तभी प्रवेश की प्रक्रिया के लिये संबंधित स्कूल को ओटीपी प्रदान करें। संबंधित स्कूल द्वारा ओटीपी दर्ज करने के बाद ही स्कूल में नि:शुल्क प्रवेश सुनिश्चित होगा। पालकों को सचेत किया गया है कि एक बार प्रवेश के बाद पालक को किसी अन्य अशासकीय शाला में शिक्षा का अधिनियम के तहत निशुल्क प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।

सरकारी शिक्षकों के लिए आज से बी.एड-एम.एड. पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुरू

भोपाल। प्रदेश में शासकीय शिक्षा महाविद्यालयों में संचालित बी.एड एवं एम.एड पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया 5 जून से प्रारंभ की जा रही हैं। शासकीय शिक्षा महाविद्यालयों में संचालित इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए केवल सभी संवर्ग के शासकीय सेवारत शिक्षक ही पात्र हैं। ऐसे

महाविद्यालयों में निर्धारित जिलों में कार्यरत शिक्षकों को प्रवेश मिलेगा

इच्छुक शासकीय शिक्षक जो बीएड और एमएड पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहते हैं वे आरएसके की वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय शिक्षा महाविद्यालयों का जिलेवार चिन्हांकन करते हुए शिक्षा महाविद्यालय के कैचमेंट क्षेत्र में जिलो की संख्या और नाम निर्धारित किए गए हैं। इन महाविद्यालयों में निर्धारित जिलों में कार्यरत शिक्षकों को प्रवेश मिलेगा। एक बार प्रवेश लेने के बाद महाविद्यालय में परिवर्तन नही किया जाएगा। शासकीय शिक्षा महाविद्यालयों में संचालित बी.एड एवं एम.एड पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए निर्धारित नियम, प्रक्रिया एवं अन्य विस्तृत विवरण एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर देखे जा सकते हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के साथ हुआ एमओयू, नवीनतम तकनीकी सिखाने में होगा सहायक

मप्र के 53 ईएफए स्कूलों में शुरू हुआ आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी कोर्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में शासकीय एजुकेशन फॉर ऑल (ई.एफ.ए.) विद्यालयों में बच्चों को आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (ए.आई) आधारित शिक्षा देने के लिये मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड और माइक्रोसॉफ्ट ने एमओयू किया है। वर्तमान में 53 चयनित शासकीय ई.एफ.ए. विद्यालयों पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी का पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीक सिखाने में सहायक हो रहा है। इस पाठ्यक्रम से शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त हो रहे है। विद्यार्थियों को भविष्य में रोजगार के अवसर आसानी से प्राप्त हो सकेंगे। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित हो रहा है।

यह पाठ्यक्रम एक विषय के रूप में कक्षा 8वीं से 12वीं तक प्रारंभ किया गया है। इसकी कुल अवधि 240 घंटे की है। पिछले वर्ष कक्षा 9वीं में 1013, कक्षा 10वीं में 694 और कक्षा 11वीं में 266 विद्यार्थियों को एआई तकनीक की शिक्षा दी गई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष 2020 में विद्यालयों में एआई तकनीक का विद्यार्थियों के बीच में बढ़ावा दिये जाने पर जोर दिया गया है।

सॉफ्टवेयर कंपनियों द्वारा दिया जा रहा है प्रशिक्षण?

मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित ईएफए विद्यालयों में समय-समय पर विभिन्न सॉफ्टवेयर कंपनियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी पाठ्यक्रम में पायथन लैंग्वेज भी शामिल है जिससे विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग का भी प्रशिक्षण दिलाये जाने की व्यवस्था है। पायथन लैंग्वेज एक लोकप्रिय और बहुमुखी प्रोग्रामिंग भाषा है जिसका उपयोग विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए किया जाता है, जैसे कि वेब डेवलपमेंट, डेटा साइंस, मशीन लर्निंग और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट। यह एक हाई-लेवल, व्याख्यात्मक भाषा है, जिसका मतलब है कि इसे कंपाइल करने की आवश्यकता नहीं है और इसे सीधे इंटरप्रेटर द्वारा पूरा किया जा सकता है।

व्यावसायिक शिक्षा के प्रसार पर जोर?

नई शिक्षा नीति वर्ष 2020 में स्पष्ट कहा गया है कि व्यावसायिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिये यह आवश्यक होगा कि शिक्षा संस्थान नवाचार के माध्यम से ऐसे मॉडल और प्रणालियों की खोज करें जिसके द्वारा विद्यार्थियों को व्यवसाय परक बनाया जा सके। कौशल विकास एंव उद्यमिता की राष्ट्रीय नीति के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या का 54 प्रतिशत से अधिक 25 वर्ष से कम आयु की जनसंख्या और 62 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या 15 से 59 वर्ष आयु की है। जनसंख्या के अनुपात के मान से भारत के पास विश्व की सबसे बड़ी कौशल पूंजीयुक्त देश बनने का अवसर है।

बीयू के यूटीडी कोर्स में आवंटित सीटों पर प्रवेश का आज अंतिम दिन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में सत्र 2025-26 में यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट्स (यूटीडी) में संचालित कोर्स की प्रवेश के लिए पंजीयन और सत्यापन के बाद सीटों का आवंटन कर दिया गया है। विद्यार्थी पांच जून तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे। बीयू बीएएलएलबी, बीएससी एग्रीकल्चर और एमए क्लीनिक सायकलाजी में सीयूईटी (कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) से ही प्रवेश दिया जाएगा।

इसके अलावा शेष यूटीडी में संचालित सभी कोर्स में सीयूईटी और नॉन सीयूईटी (ऐसे छात्र जो सीयूईटी-यूजी व पीजी में शामिल नहीं होंगे) दोनों तरह के विद्यार्थियों को प्रवेश दिए जाएंगे। बीयू ने 75 फीसदी सीट पर नान सीयूईटी और 25 फीसदी सीयूईटी से प्रवेश देने के लिए काउंसलिंग शुरू कर दी है। बीयू के करीब दो दर्जन विभागों में करीब 1200 सीटों पर प्रवेश होना है। बीएएलएलबी, बीएससी एग्रीकल्चर और एमए क्लीनिकल सायकलाजी में प्रवेश सिर्फ सीयूईटी से ही दिए जाएंगे। प्रवेश देने बीयू ने काउंसलिंग शुरू कर दी है। दो राउंड की काउंसलिंग में आरक्षित वर्ग की सीटों को सामान्य वर्ग में शामिल कर 17 जून को पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। शेष रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए नये सिरे से 18 से 24 जून तक पंजीयन और सत्यापन किया जाएगा। 25 जून को मेरिट सूची जारी कर सीटों का आवंटन होगा। विद्यार्थी 26 से 30 जून तक ऑनलाइन फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे। पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) कोर्स में बीते वर्षों में सीयूईटी स्कोर के आधार पर पर्याप्त प्रवेश नहीं हो सके। विवि में अधिकतर विद्यार्थी नान सीयूईटी श्रेणी से ही आवेदन करते हैं, इसलिए पीजी कोर्स के लिए भी 75 प्रतिशत सीटें नान सीयूईटी विद्यार्थियों के लिए आरक्षित की गई हैं।

दूसरे राउंड के 12 जून तक पंजीयन और सत्यापन

इसके बाद रिक्त सीटों पर प्रवेश देने के लिए दूसरे राउंड की काउंसलिंग में चार से 12 जून तक पंजीयन और सत्यापन होंगे। 13 जून को मेरिट जारी कर सीटें आवंटित होंगी। विद्यार्थी 14 से 16 तक फीस जमा कर प्रवेश पुख्ता करेंगे।

स्वर्ण जयंती पार्क में योग साधकों ने पर्यावरण दिवस मनाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ के योग गुरु महेश अग्रवाल ने आज पर्यावरण दिवस के अवसर पर सुबह पार्क में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर प्रमुख रुप से पर्यावरण वानिकी मंडल के वन रक्षक रामचरण कुशवाहा जी, संजय गुप्ता, सुनील सोलंकी, श्रद्धा गणपते, लता बंजारी, आशा गजभिये, किरण माथुर, उपमा गुप्ता, ज्योति गुप्ता, आदि पस्थित रहें। अग्रवाल ने कहा कि भारत में सुख, समृद्धि, शक्ति और स्वास्थ्य के साथ अच्छा पर्यावरण के लिए हर व्यक्ति को योगाभ्यास करना चाहिए।

सीएमएस स्कूल में आयोजित किया गया था कैंप

समर कैंप समापन, बच्चों को बांटे गए सर्टिफिकेट

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

क्राईस्ट मेमोरियल स्कूल में एक महीने से चल रहा समर कैंप रंगारंग कार्यक्रमों और खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ समाप्त हो गया। बच्चों को सर्टिफिकेट बांटे गए। समापन समारोह में स्कूल के संस्थापक डॉ. मेनिस मैथ्यूज, प्राचार्य परमेन्द्र दरयानी, और उप-प्राचार्या सुश्री रीना मंडलोई मौजूद रहे। कैंप समन्वयिका अलमास खान ने बताया कि इस ग्रीष्मकालीन अभिव्यक्ति शिविर में बच्चों को खेलकूद, चित्रकला, कैलीग्राफी, इंग्लिश स्पोकन और रीडिंग जैसे कई विषयों में अनुभवी शिक्षकों ने ट्रेनिंग दी।

अभ्यास ही निखारता है व्यक्तित्व- मुख्य अतिथि डॉ. मेनिस मैथ्यूज ने सभी बच्चों के प्रयासों की तारीफ की। उन्होंने कहा, अभ्यास ही हमारे व्यक्तित्व को निखारता है। आपने जो भी कला सीखी है, उसका लगातार अभ्यास करें और उसे बेहतर बनाएं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जो बच्चे गर्मियों की छुट्टियों में अपनी नींद छोड़कर कुछ सीखने की चाह रखते हैं, वे यकीनन आगे चलकर सफल होते हैं।

प्रशिक्षकों को आभार- उप-प्राचार्या रीना मंडलोई ने सभी का दिल से शुक्रिया अदा किया। उन्होंने प्रशिक्षकों को खासकर बधाई दी, जिन्होंने बच्चों की प्रतिभा को निखारने में अपना समय दिया। साथ ही, उन्होंने उन सभी पेरेंट्स का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने अपने बच्चों को समर कैंप में नियमित रूप से भेजा।

कन्हैयालाल सबधाणी का निधन, श्रद्धांजलि सभा आज

हिरदाराम नगर। कन्हैयालाल सबधाणी 45 वर्ष का आकस्मिक स्वर्गवास हो गया है, वे सबधाणी कोचिंग इंस्टीट्यूट के फाउंडर लालचंद सबधाणी के पुत्र और डायरेक्टर आनंद सबधाणी के बड़े भाई थे। जिनके निधन पर शिक्षा जगत और समाजसेवा से जुड़े विशिष्ठजनों ने शोक व्यक्त किया है। उनकी पगड़ी रस्म व श्रद्धांजलि साशोक सभा 5 जून 2025 को शाम 05:30 बजे से 06:00 बजे तक आयोजित की जाएगी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय बोरवन पार्क स्थित पगड़ी रस्म हॉल, संतनगर में समाजजनों द्वारा श्रद्धांजिल दी जाएगी।

बीयू: वरिष्ठ अधिवक्ता अश्वनी उपाध्याय होंगे शामिल

कल 6 जून को लोकमाता अहिल्याबाई पर आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के ज्ञान विज्ञान भवन में लोकमाता अहिल्याबाई पर केंद्रित एक समारोप सत्र का आयोजन 6 जून को दोपहर 3:00 बजे से किया जाएगा। यह आयोजन बरकतउल्ला विश्वविद्यालय एवं लोकमाता अहिल्याबाई त्रि शताब्दी जयंती समारोह आयोजन समिति के संयुक्त तत्वाधान में किया जाएगा।?इस सत्र में मुख्य वक्ता सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्वनी उपाध्याय रहने वाले हैं। इस आयोजन के मुख्य अतिथि वरिष्ठ उद्योगपति एवं दौलत राम समूह के प्रबंध निदेशक सीपी शर्मा रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु एसके जैन करेंगे। लोकमाता अहिल्याबाई का यह 300वां जयंती वर्ष है। इस अवसर पर पूरे देश में उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर अनेकों कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लोकमाता अहिल्याबाई अपने शासनकाल में पूरे देशभर में किए गए निर्माण और धार्मिक उत्थान के कार्यों के लिए जानी जाती हैं। उनकी राज्य संचालन नीति, कर नीति और न्याय व्यवस्था विश्व में एक अद्भुत मिसाल है।

भोपाल जिले के दो मामलों में संज्ञान लेकर आयोग ने मांगा अधिकारियों से जवाब

टीबी मरीजों के साथ वार्ड में रुक रहे परिजन स्वास्थ्य आयुक्त को दिए जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल के टी.बी. अस्पताल में टी.बी. मरीजों के साथ उनके परिजनों को मरीज के ही वार्ड में ही रुकने के मामले में संज्ञान लिया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि रात के समय अस्पताल में टी.बी. के मरीजों के साथ उनके परिजनों/स्वजनों को साथ में ही ठहराया/रूकाया जाता है, इस कारण टी.बी. का संक्रमण रोग हवा के जरिए एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है। जिससे मरीजों के परिजनों को भी संक्रमण होने का खतरा बना हुआ है।

टी.बी. के मरीजों के साथ रूकने वाले परिजनों के लिये अस्पताल में अलग से कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण उन्हें रात के समय मरीज के पास या फिर नीचे फर्श पर ही सोना पड़ता है। मामले में आयोग ने आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाएं एवं सीएमएचओ को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है।

किशोर ने नाबालिग से की छेड़छाड?:?

भोपाल शहर के बागसेवनिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक झुग्गी बस्ती में 15 वर्षीय एक किशोर द्वारा 11 साल की नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर मारपीट और छेड़छाड़ करने की घटना सामने आई है। इस संबंध में नाबालिग लड़की ने आरोपी किशोर के खिलाफ पुलिस थाने में पहुंच कर एफआईआर दर्ज कराई है। मामले में संज्ञान लेकर आयोग ने पुलिस कमिश्नर को जांच के निर्देश दिए हैं।

संतनगर फ्लाईओवर | ट्रैक के हिस्से में काम शुरू, लेकिन बारिश बनेगी बाधा

दो साल बाद भी अधूरा काम, रेलवे की देरी से हुआ लेट

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम नगर बैरागढ़ के फाटक रोड पर बन रहा फ्लाईओवर अब अक्टूबर 2025 तक ही पूरा होने की उम्मीद है, बशर्ते बारिश बाधा न बने। यह स्थिति तब है जब इसके भूमिपूजन के समय मात्र आठ महीने में ब्रिज की सुविधा देने का वादा किया गया था। दो साल से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी, रेलवे के हिस्से का काम धीमा रहने के कारण लाखों लोगों को जाम से मुक्ति नहीं मिल पाई है।

वादा कुछ और, हकीकत कुछ और- इस फ्लाईओवर का निर्माण कार्य 20 अप्रैल 2023 को शुरू हुआ था, जबकि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने फरवरी 2023 में इसका भूमिपूजन किया था। उपनगर में दशकों से रेलवे फाटक पटरी के इस पार और उस पार के बीच एक बड़ी समस्या रहा है, जहाँ हर दिन हजारों वाहन जाम में फँसने को मजबूर होते हैं। शुरुआती वादों के विपरीत, रेलवे द्वारा अपने हिस्से का काम समय पर न करने से परियोजना लगातार लेट होती गई।

ब्रिज निर्माण के कारण फाटक रोड पर बड़ी संख्या में दुकानें और मकान तोड़े गए थे, जिसने व्यापारियों के बीच भारी असंतोष पैदा किया। विस्थापन की मांग को लेकर व्यापारियों और प्रशासन के बीच कई बार टकराव भी हुआ। प्रशासन ने ब्रिज के नीचे दुकानों के लिए जगह देने का प्रस्ताव तो दिया, लेकिन व्यापारियों का आरोप है कि उन्हें लिखित दस्तावेज नहीं दिए गए हैं, जिससे वे अपना निर्माण कार्य शुरू नहीं कर पा रहे हैं। यह स्थिति उनकी समस्याओं को और बढ़ा रही है।

लगातार टल रही हैं डेट लाइन

सितंबर 2024 में रेल अधिकारियों के साथ दौरा करते हुए विधायक रामेश्वर शर्मा ने फरवरी 2025 तक ब्रिज को ट्रैफिक के लिए खोलने की उम्मीद जताई थी। उन्होंने दावा भी किया था कि तब तक यातायात शुरू हो जाएगा। हालाँकि, जून 2025 तक भी निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है, जो इन दावों की पोल खोलता है। रेलवे ने भले ही अब जाकर अपने हिस्से का काम शुरू किया है, लेकिन आने वाली बारिश में काम का फिर से रुकना तय है। ऐसे में, अक्टूबर 2025 तक भी सुविधा मिल पाएगी या नहीं, इस पर बड़ा सवालिया निशान है। यह देरी न सिर्फ जनता की परेशानी बढ़ा रही है, बल्कि सरकारी दावों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठा रही है।

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं
उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट 2025
5 जून 2025 | प्रात: 11:00 बजे
होटल अंजुश्री, उज्जैन, मध्यप्रदेश
स्वास्थ्य और आरोग्य के नये युग में प्रवेश
भारत के हृदयस्थल मध्यप्रदेश के उज्जैन में पहली बार आयोजित होने जा रहे 'स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट' का अनुभव करें — जहां आयुर्वेद, योग और समग्र जीवन शैली के वैश्विक विशेषज्ञ और अग्रणी चिन्तक एकत्र होकर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे, ताकि एक समग्र, चैतन्य और संतुलित जीवनशैली के भविष्य को सही दिशा दी जा सके।
आइये, भारत में आध्यात्मिक और समग्र कल्याण के नए केंद्र के रूप में उभर रहे मध्यप्रदेश के उज्जैन में वैश्विक कल्याण के भविष्य को आकार देने वाले अनूठे अनुभव का हिस्सा बनें।
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
मुख्य आकर्षण एवं गतिविधियां
पैनल डिस्कशन
• साझेदारी मॉडल पर विचार-विमर्श
• वेलनेस ईकोसिस्टम और कार्यबल का निर्माण
मुख्यमंत्री के साथ वन-टू-वन मीटिंग्स
वेलनेस विज़निंग (स्वास्थ्य कल्याण परिकल्पना)
वेलनेस सेशंस (स्वास्थ्य कल्याण सत्र)
नॉलेज पार्टनर
EY
इण्डस्ट्री पार्टनर
CII
Confederation of Indian Industry
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D-11039/25
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

संपादकीय

हमले के नए तरीके से बढ़े खतरे

यूक्रेन के सैन्य बलों ने रूसी क्षेत्र के भीतर जाकर जिस तरह से लगातार कई हमले किए और रूस के लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों या सामरिक बमबारी बेड़े को निशाना बनाया वह दुनिया के लिये चिंता की नई वजह बन गया है। रूस के अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि की है लेकिन यह नहीं बताया कि कितनी क्षति पहुंची है। माना जा रहा है कि रूस के सामरिक बमबारी बेड़े को हुई क्षति की भरपाई संभव नहीं है क्योंकि ये 1950 के दशक के हैं और इन्हें बनाने वाली इकाइयां बहुत पहले बंद हो चुकी हैं। जबकि यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने दावा किया कि उसने एक तिहाई बेड़े को निशाना बनाया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदोमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस को करीब 7 अरब डॉलर मूल्य का नुकसान हुआ है। परंतु जिस बात ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है और जो आने वाले महीनों और वर्षों तक सैन्य योजनाकारों और सामरिक विशेषज्ञों की चर्चा का विषय रहने वाली है, वह है इस हमले का तरीका। यूक्रेन ने यह हमला रेडियो नियंत्रित ड्रोन के माध्यम से किया। इन्हें सामान्य निर्माण सामग्री की तरह वाणिज्यिक कंटेनर ट्रकों में लादा गया और उसके बाद रूस में हवाई ठिकानों के आसपास के इलाकों में भेजा गया। एक खास समय पर इन सभी ड्रोन को उड़ाया गया और हवाई अड्डों पर खड़े विमानों को निशाना बनाया गया। यह पहला मौका नहीं है जब यूक्रेन ने नियमित वाणिज्यिक लॉजिस्टिक को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। खबरें बताती हैं कि 2022 में क्रामिया द्वीप को रूस से जोड़ने वाले केर्च पुल पर हुए हमले, जिसने कई सप्ताह तक रूस के सैन्य यातायात को बाधित किया था। उसे भी प्लास्टिक ढोने वाले एक ट्रक की आड़ में अंजाम दिया गया था। विस्फोटकों को प्लास्टिक के ढेर में छिपाया गया था और इसे आर्मीनिया और जॉर्जिया से होते हुए क्रीमिया की ओर भेजा गया था। ऐसे ही तरीके इस्तेमाल करके करीब 120 ड्रोनों की मदद से ताजा हमला किया गया। ये ड्रोन बहुत महंगे या किसी खास गुणवत्ता के नहीं थे। लब्बोलुआब यह कि अपेक्षाकृत छोटा और मुश्किलों से जूझ रहा देश, जिसके पास अपनी मजबूत वायु सेना तक नहीं है, उसने आधुनिक लॉजिस्टिक्स और सस्ते ड्रोन की मदद से एक महाशक्ति के सामरिक बेड़े को क्षति पहुंचा दी जो उसके परमाणु प्रतिरोधक तंत्र का हिस्सा था। ड्रोन और वैश्वीकृत दुनिया में आपसी व्यापार संपर्क के इस मेल से सुरक्षा की दृष्टि से सर्वथा नई और अप्रत्याशित चुनौती उत्पन्न हुई है। भारत में इसे खासतौर पर महसूस किया जाएगा क्योंकि हमारे कई सामरिक क्षेत्र इस लिहाज से संवेदनशील हैं। इनमें कई तो प्रमुख औद्योगिक केंद्र भी हैं। बताया जाता है कि यूक्रेन ने इस हमले की योजना 18 महीने पहले बनाई थी। परंतु इस हमले की लागत की बात करें तो समय और संसाधन के मामले में इसमें ज्यादा खर्च नहीं आया। इस मामले में तो ये तरीके ऐसी सरकार ने आजमाए जो तीन साल से जंग में है। परंतु ऐसी कोई वजह नहीं है कि छद्म युद्ध में लगे दूसरे गैर सरकारी तत्त्व इस तरीके को नहीं आजमाएंगे। भारत के योजनाकारों को अपनी सैन्य और अधोसंरचना संबंधी संवेदनशील स्थितियों का आकलन करते हुए ड्रोन की इस जंग जैसे हालात के लिए तैयार रहना होगा। कुल मिलाकर यूक्रेन ने एक नई युध्द विधा का मानो सूत्रपात किया है। ऐसे दौर में जबकि युध्द बंद होने की बातें होने लगी यह नए तेवर और भावी हालातों का दुनियाभर में आकलन भी लगाया जाने लगा है।

वोट की राजनीति न हो राष्ट्रीय मुद्दों पर

■ विश्वनाथ सचदेव

शौर्य के लिए जहां हमारी सेना प्रशंसा की अधिकारी है, वहीं देश के नेतृत्व को भी उसके हिस्से का यश मिलना चाहिए। पर जिस तरह से सरकार इस यश को भुनाने की कोशिश कर रही है, उससे सवाल उठने स्वाभाविक हैं।

ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ, स्थगित हुआ है। स्थगित होने का नया मतलब है, यह समझना यदि मुश्किल नहीं है तो आसान भी नहीं है। फिर भी, पहलगाम में हुई अमानुषिक आतंकवादी कार्रवाई के विरोध में जिस तरह सारा देश एक होकर उठ खड़ा हुआ और जिस तरह विपक्ष ने सरकार को पूरा समर्थन दिया, उससे राष्ट्र की एकता और ताकत का अहसास तो हो ही जाता है। जहां तक राष्ट्र की सुरक्षा का सवाल है, यह एकता भरोसा देने वाली है। यह मुद्दा राजनीति का कतई नहीं है। पहले भी जब-जब ऐसी स्थितियां आई हैं, सारे देश ने एक होकर दुश्मन का मुकाबला किया है, उसे धूल चटायी है। आगे भी यदि कभी स्थितियां बनती हैं तो निश्चित रूप से देश एक होकर खड़ा होगा, इसमें संदेह नहीं करना चाहिए। लेकिन, राजनीति की एक विवशता यह भी है कि राजनीतिक स्वार्थ अक्सर राष्ट्रीय हितों पर हावी हो जाते हैं। इसलिए ज़रूरी है कि इस स्थिति से बचने के प्रति सजग रहा जाये। यहीं गड़बड़ हो रही है। जहां समूचा विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए राष्ट्र की एकता को रेखांकित कर रहा है, वहीं सरकार इसका राजनीतिक लाभ उठाने के लालच से बच नहीं पा रही। हालांकि आतंकवाद के विरुद्ध जारी की गयी यह लड़ाई अभी पूरी नहीं हुई है, ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ स्थगित हुआ है, पर इसे सफलता घोषित करके उसका राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश भी स्पष्ट दिखाई दे रही है। ऐसा नहीं होना चाहिए था, पर हुआ है तो इसके बारे में बात भी होगी। और बात निकलेगी तो दूर तलक जायेगी।

इस बारे में कुछ और कहने से पहले इस बात को स्वीकार किया जाना ज़रूरी है कि पहलगाम के काण्ड की सज़ा देने के लिए हमारी सेना ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के ठिकानों को जिस तरह से ध्वस्त किया है, उसकी सिर्फ प्रशंसा ही की जा सकती है। ऐसा नहीं है कि इसके अलावा और कुछ किया ही नहीं जा सकता था, अथवा किया ही नहीं जाना चाहिए था, पर जो कुछ हुआ उसकी महत्ता को स्वीकार करना ही चाहिए। इस शौर्य के लिए जहां हमारी सेना प्रशंसा की अधिकारी है, वहीं देश के नेतृत्व को भी उसके हिस्से का यश मिलना चाहिए। पर जिस तरह से सरकार इस यश को भुनाने की कोशिश कर रही है, उससे सवाल उठने स्वाभाविक हैं।सरकार की इस कार्रवाई की शुरुआत तो 'ऑपरेशन' के नामकरण के साथ ही हो गयी थी। निश्चित रूप से, किसी भी राजनीतिक दल में राजनीतिक लाभ उठाने की लालसा तो होती ही है, पर भाजपा में ऐसा हर लाभ प्रधानमंत्री के खाते में जमा करने की प्रवृत्ति एक प्रतियोगिता का रूप ले चुकी है। शायद इसीलिए, इस बात को प्रचारित करना ज़रूरी समझा गया कि कार्रवाई के नाम के साथ सिंदूर जोड़ने का आइडिया स्वयं प्रधानमंत्री का था। हो सकता है यह सही भी हो, पर सामान्यता ऐसी सैनिक कार्रवाइयों का नामकरण सेना के सम्बंधित विभाग ही करते हैं। यहां सच्चाई कुछ भी हो, भाजपा ने सिंदूर के साथ जुड़ी भावनाओं का राजनीतिक लाभ उठाने में कोई देरी नहीं की।

अपनी रगों में खून की जगह 'गर्म सिंदूर' बहने की बात कहकर जैसे प्रधानमंत्री ने अपने समर्थकों को आगे बढ़ने का एक रास्ता दिखा दिया था। देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रधानमंत्री की जय-जयकार के लिए सभाओं और 'रोड शो' का आयोजन हो रहा है। प्रधानमंत्री अच्छी तरह समझते हैं कि 'चुटकी भर सिंदूर' की कीमत कितनी होती है। इसीलिए उन्होंने रगों में सिंदूर बहने वाली बात कही थी। वे यहीं तक नहीं रुके। देश भर में उनके भक्तों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने की योजना बना ली। देश की महिलाओं को 'सिंदूर' बांटने की योजना भी बन गयी, ऐसा कहा जाता है। इस आशय का समाचार जब मीडिया में आया तो इसकी आलोचना भी खूब हुई। भाजपा ने शायद सोचा था कि पिछले चुनाव में जिस तरह प्रधानमंत्री ने कांग्रेस द्वारा 'आपका मंगलसूत्र छीनकर दूसरों को देने की बात' कहकर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की थी, वैसा ही लाभ सिंदूर वाली बात से भी लिया जा सकेगा। पर इस बार दांव कुछ उल्टा पड़ता दिखा। फिर भाजपा की ओर से सिंदूर बांटने की किसी भी योजना से इनकार वाला समाचार आया। पर चर्चा इस बात की है कि इस इनकार के लिए भाजपा को पूरे ढाई दिन क्यों लगे? भाजपा का आईटी सेल अचानक इतना धीमा कैसे हो गया? जिस समाचार पत्र ने यह समाचार छापा था उसने भी खेद प्रकट करने में पूरा समय लिया। आखिर क्यों?इस क्यों का उत्तर कोई नहीं दे रहा। अब न भाजपा यह मानने को तैयार है कि उसके 'ऑपरेशन सिंदूर' का यह सिंदूर बांटने वाला हिस्सा राजनीतिक भूल थी, और न ही विपक्ष भाजपा को नीचा दिखाने वाला यह मौका सहज ही गंवाना चाहता है।

बिहार का चुनाव अभी पांच-छह महीने दूर है। भाजपा यह उम्मीद कर सकती है कि तब तक उसकी यह सिंदूर बांटने वाली चूक मतदाता भूल जायेगा। पर यह सवाल अपनी जगह है कि हमारे राजनेता अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए जनता की भावनाओं के साथ कब तक खेलते रहेंगे? और सवाल यह भी है कि कब तक जनता इस खिलवाड़ का शिकार बनती रहेगी? होना तो यह चाहिए था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के रूप में ही समझा-स्वीकारा जाता, पर इसे माताओं-बहनों के माथे के सिंदूर की गरिमा और पवित्रता से जोड़कर सांस्कृतिक-धार्मिक प्रतीकवाद का हिस्सा बना दिया गया। हर संभव मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की भूख ने हमारी राजनीति को सरकारें बनाने-बिगाड़ने तक सीमित कर दिया है।पहलगाम में आतंकवाद के नंगे नाच के माध्यम से देश में अलगाव की आग को हवा देने की कोशिश की गयी थी। इस कोशिश को निरर्थक बनाने का एक अभियान था हमारा ऑपरेशन सिंदूर। वह कितना सफल रहा और कहां हमारी कमियां रह गयीं, इसकी तहकीकात होनी ही चाहिए। हमारे रक्षा प्रमुख (सीएसडी) ने कहा है, 'युद्ध में नुकसान होते ही हैं, क्या नुकसान हुआ से महत्वपूर्ण यह जानना है कि नुकसान क्यों हुआ, उससे कैसे बचा जा सकता है।' उनकी इस बात की गंभीरता को समझा जाना ज़रूरी है। उनकी कही बात यह भी स्पष्ट कर देती है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में कुछ नुकसान तो हमारा हुआ ही है। इसे छिपाने की कोई आवश्यकता नहीं है।

हां, आवश्यकता इस बात की ज़रूर है कि मंगलसूत्र या सुहाग के सिंदूर जैसे मुद्दों को राजनीतिक हितों की पूर्ति का माध्यम न बनाया जाये। इन प्रतीकों की सांस्कृतिक और धार्मिक महत्ता के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। इन्हें राजनीति का हथियार बनाकर यदि कुछ प्राप्त किया जाता है तो उसकी कीमत बहुत भारी होगी।

प्रधानमंत्री ने सही कहा है कि पहलगाम में आतंकियों ने भारत का खून ही नहीं बहाया, हमारी संस्कृति पर भी हमला किया है। पर ऑपरेशन सिंदूर को घर-घर सिंदूर पहुंचाने की कवायद में बदलना भी अपने आप में संस्कृति पर हमला है। अच्छा है भाजपा ने इस खबर को 'फेक' कह दिया है, पर यह सवाल तो हवा में है ही कि सिंदूर जैसी चीज़ के साथ जुड़ी भावनाओं और पवित्रता को राजनीति से जोड़ने की कोशिश ही क्यों होती है? राजनीति से जुड़े सभी पक्षों को हमारे सांस्कृतिक मूल्यों का आदर देना होगा। शुचिता के लिए कोई स्थान तो होना चाहिए हमारी राजनीति में!

साभार- यह लेखक के विचार हैं।

सोशल मीडिया का धर्मयुद्ध: एलन मस्क के विरुद्ध महामंच

■ अनुराग पुनेठा

जब इतिहास करवट लेता है, तो वह अक्सर शोर नहीं, एक असहज खामोशी से शुरू होता है। ठीक वैसे ही, जैसे आज का सबसे बड़ा युद्ध न सरहदों पर, न हथियारों से बल्कि विचारों और विज्ञापन बजटों के ज़रिए लड़ा जा रहा है। इस युद्ध में नायक और खलनायक की पहचान करना आसान नहीं, और इसके केंद्र में खड़े हैं एलन मस्क टेस्ला, स्पेसएक्स और अब एक्स (पूर्व ट्विटर) के मालिक और उनके सामने हैं वे 18 वैश्विक कंपनियां जिनके पास 900 अरब डॉलर से अधिक का संयुक्त विज्ञापन बजट है इन कंपनियों में है नेस्ले, लेगो, शेल, यूनिलीवर, पेप्सी, कोलगेट, प्रॉक्टर एंड गैंबल यह सिर्फ नाम नहीं, इंटरनेट की दिशा तय करने वाली ताक़तें हैं। 2022 में इन कंपनियों ने ब्रक्रह (ग्लोबल एलायंस फॉर रिस्पॉन्सिबल मीडिया) के बैनर तले ङ्ग से अपने विज्ञापन हटा लिए। तर्क दिया गया ब्रांड सेफ्टी÷। लेकिन सवाल ये है÷क्या ये वाकई सुरक्षा का मसला था या मंच को अपने हिसाब से मोड़ने की एक रणनीति? इन कंपनियों ने ङ्ग से मांगा कुछ शब्दों को हटाना, कुछ विचारों को सीमित करना, कुछ चेहरों को मंच से बाहर करना। मस्क ने मंच को स्वतंत्र रखने की जिद की और परिणामस्वरूप शुरू हुआ आर्थिक बहिष्कार। यह आज के दौर की अभिव्यक्ति की असली क़ीमत है। मस्क चुप नहीं बैठे। उन्होंने मुकदमा दायर किया–सिर्फ कानूनी नहीं, वैचारिक सवालों के साथ। क्या कॉरपोरेट जगत यह तय करेगा कि इंटरनेट पर क्या कहा जाए? क्या धनबल से यह तय होगा कि किसकी आवाज़ सुनी जाएगी और किसे खामोश किया जाएगा? अमेरिकी कांग्रेस की एक रिपोर्ट ने पुष्टि की कि इन कंपनियों ने सचेत प्रयास किए थे ङ्ग की नीतियों को प्रभावित करने के लिए। अब यह मामला सिर्फ मस्क बनाम कंपनियां नहीं यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम कॉरपोरेट नियंत्रण की लड़ाई बन चुका है। मस्क की अराजकता, अहंकार और सीमाओं से खेलने की आदत उसे कई बार संदेह के घेरे में लाती है। पर क्या कोई और इतना बड़ा जोखिम उठाने को तैयार होता? उसके लिए यह लड़ाई

सिर्फ पैसे की नहीं, मंच की आत्मा की है। वह पूछ रहा है-क्या असहज विचारों को दबा देना उचित है? क्या डिजिटल मंच कॉरपोरेट हैंडबुक से चलेगा? यह पहली बार नहीं जब अभिव्यक्ति पर आर्थिक हमला हुआ हो।हॉलीवुड ब्लैकलिस्ट (1940-50)÷ कम्युनिस्ट विचारधारा के समर्थकों का सामूहिक बहिष्कार।न्यज़ कॉर्प (1990ह्म-2000ह्म)÷सरकारों और विज्ञापनदाताओं द्वारा राजनीतिक पक्षपात के आरोपों पर बहिष्कार। यूट्यूब विज्ञापन संकट (2017)÷ आपत्तिजनक सामग्री के चलते बड़े ब्रांडों का हटना।लेकिन फर्क यह है कि यूट्यूब ने विज्ञापनदाताओं की मांगें मानीं, मस्क ने नहीं। कानूनन, कंपनियाँ अपनी ब्रांड छवि के अनुरूप विज्ञापन देने या न देने के लिए स्वतंत्र हैं। पर मस्क का आरोप है कि ये स्वतंत्र निर्णय नहीं, बल्कि संगठित साजिश है जो अविश्वास कानूनों का उल्लंघन करती है। विज्ञापनदाता इसे ÷बाजार-आधारित निर्णय÷ और ÷खराब प्रबंधन÷ का परिणाम मानते हैं। उनका कहना है कि विज्ञापन देना या रोकना भी उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। मस्क खुद को ÷फ्री स्पीच का योद्धा÷ कहते हैं। लेकिन आलोचक याद दिलाते हैं कि उन्होंने ङ्ग पर कई पत्रकारों के अकाउंट सस्पेंड किए, मीडियामैटर्स पर मुकदमा ठोका जब उन्होंने रिपोर्ट दी कि ङ्ग पर नाज़ी-समर्थक पोस्ट्स के साथ विज्ञापन दिख रहे थे। यह विडंबना है कि जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा का दावा करता है, वही आलोचकों पर मुकदमे करता है।

यह मुकदमा सिर्फ ङ्ग का भविष्य तय नहीं करेगा, बल्कि यह इस बात की दिशा भी तय करेगा कि डिजिटल युग में अभिव्यक्ति कितनी स्वतंत्र है। अगर मस्क जीतते हैं, तो यह कॉरपोरेट सेंसरशिप पर चोट होगी। अगर हारते हैं, तो यह कॉरपोरेट शक्तियों की वैधानिक जीत मानी जाएगी। इस बहस की सबसे ज़रूरी बात यह है कि क्या हम एक ऐसी दुनिया चाहते हैं जहां विज्ञापनदाता तय करें कि कौन बोले? क्या लोकतंत्र में असहमति की गुंजाइश केवल तब तक है, जब तक वह ब्रांड इमेज को ठेस न पहुंचाए?

एलन मस्क बनाम बिग टेक केवल एक मुकदमा नहीं, यह हमारी डिजिटल सभ्यता की परीक्षा है। इसमें सवाल सिर्फ ङ्ग की नीतियों का नहीं, हमारे मौलिक अधिकारों का है। 'कैंसल कल्चर' और 'कॉरपोरेट सेंसरशिप' के बीच की रेखा धुंधली हो रही है। शायद यह लड़ाई तय करेगी कि सोशल मीडिया–जो लोकतंत्र का नया चौराहा है–वह खुलेगा, सिकुड़ेगा या बिकेगा।

अवसर और सूर्योदय में एक ही समानता है, देर करने वाले इन्हें खो देते हैं

निशाना

रहना है विवादित !

रह रह कर जिह्वा से ।
आते हैं बयान ।।
रहना है विवादित ।
इसी में सम्मान ।।
छोड़ कर सब काम ।
किए एजेंडा तय ।।
पकड़ लिए हैं अपनी ।
जो पुरानी लय ।।
है नज़दीक चुनाव ।
चर्चा में अब रहना ।।
बोल कर कुछ बोल ।
है आगे टहलना ।।
रोटी पानी बनी रहे ।
है उसका जुगाड़ ।।
हल्की फुल्की इसलिए ।
दिखाती ये दहाड़ ।।

कृष्णेन्द्र राय

आज का इतिहास

- 1257 पोलैंड में क्राकोव को मैगडेबर्ग के आधार पर शहर के अधिकार प्राप्त हुए।
- 1305 रेमंड बर्ट्रेंड डी गॉट पोप क्लेमेंट वी बन गया, पोप बेनेडिक्ट इलेवन के सफल होने से एक साल पहले मृत्यु हो गई।
- 1507 इंग्लैंड और नीदरलैंड व्यापार समझौते पर सहमत हुए।
- 1664 मुस्तफा द्वितीय तुर्की का सुल्तान बना।
- 1716 इंग्लैंड और सम्राट कैरेल सहाय ने सैन्य संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1806 लुइस बोनापार्ट को हॉलैंड के राजा के रूप में उनके भाई, सम्राट नेपोलियन द्वारा बैटैवियन रिपब्लिक की जगह नियुक्त किया गया।
- 1823 सिंगापुर के संस्थापक सर स्टैमफोर्ड राफल्स द्वारा सिंगापुर इंस्टीट्यूशन के रूप में रैफल्स इंस्टीट्यूशन की स्थापना की गयी।
- 1827 ग्रीक की स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान तुर्कों ने एक्रोपोलिस और एथेंस पर कब्जा किया।
- 1832 जून विद्रोह, छात्रों के विद्रोह विरोधी विद्रोह, पेरिस में टूट गया।
- 1837 ह्यूस्टन शहर, टेक्सास गणराज्य द्वारा शामिल किया गया।
- 1846 अमेरिका में फिलाडेल्फिया और बाल्टीमोर के बीच टेलीग्राफ लाइन की शुरुआत।
- 1849 डेनमार्क में एक नया संविधान पेश किया गया, जिसमें एकॉन्स्टिट्यूशनल मोनार्की और रिग्सडैग की स्थापना की गई, जो लैंडस्टिंग और फोकेसेटिंग का एक द्विसदनीय संसद है।
- 1862 जैसा कि साइगॉन की संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे, दक्षिणी वियतनाम के हिस्सों को फ्रांस तक पहुंचाते हुए, गुरिल्ला नेता ट्रूंग दीन्ह ने वियतनाम के तुअर ङुक को बचाने और यूरोपियों के खिलाफ लड़ने का फैसला किया।
- 1883 ओरिएंट एक्सप्रेस , एक ट्रेन लाइन जो साज़िश और लक्जरी यात्रा के साथ बेगमेनिसम का संचालन करती है।
- 1883 ओरिएंट एक्सप्रेस, एक ट्रेन लाइन जो कि सारगर्भित और लक्जरी यात्रा का पर्याय बन गई, का संचालन शुरू हुआ।
- 1888 अमेरिका के डेमोक्रेटर राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड के लिए मनोनीत किये गये।
- 1899 फिलीपीन-अमेरिकी युद्ध के बीच एंटोनियो लूना की हत्या कर दी गई थी।
- 1915 डेनमार्क ने अपने संविधान में संशोधन कर महिलाओं को वोट का अधिकार दिया।
- 1915 डेनमार्क ने महिलाओं के मताधिकार की अनुमति देने के लिए अपने संविधान में संशोधन किया। यह महिला को वोट देने का अधिकार हासिल करने का क्षण था। पहले के समय में महिलाओं को वोट देने का अधिकार नहीं दिया गया था। यह दुनिया भर में एक बड़ा क्षण था जिसमें महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
- 1928 हाउस और सीनेट चुनाव फिलीपींस में आयोजित किया गया, जिसमें नेसिअनलिस्ट पार्टी ने जीत दर्ज की।
- 1941 दूसरा चीन-जापानी युद्ध-चूंगचींग पर पांच साल के अभियान में एक छंटनी के दौरान, 4,000 लोगों की मृत्यु श्वासनली क्लेश सुरंग से हुई, जिसे वे अवरुद्ध हो गए थे।

रेलवे स्टेशन पर नॉनवेज बिक्री शुरू होने से पहले ही उठने लगे विरोध के स्वर

रेलवे स्टेशन पर नॉनवेज आइटम बिके तो हम धरना-प्रदर्शन करेंगे : पार्षद

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के जिन 6 रेलवे स्टेशनों के नवीनीकरण का विगत दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल उद्घाटन किया था. उन में नर्मदापुरम का रेलवे स्टेशन भी शामिल है. धार्मिक नगरी होने के कारण यहां धार्मिक मान्यताओं से जुड़े भक्तों का निरंतर आना-जाना होता रहता है. रेल आने जाने के लिए का साधन महत्वपूर्ण है.

नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर आईआरसीटीसी द्वारा खानपान के स्टाल लगाए जा रहे हैं. इन स्टालों में वेज नॉनवेज के खाद्य सामग्री की बिक्री होगी. धार्मिक नगरी में इस तरह रेलवे स्टेशन पर नॉनवेज के आइटम की बिक्री को लेकर अभी से विरोध के स्वर उठने लगे हैं जबकि बिक्री अभी शुरू हुई नहीं है.

जिस वार्ड के अंतर्गत यह प्लेटफार्म नंबर एक आता है उस वार्ड की महिला पार्षद रेखा यादव का तो यहां तक कहना है कि यदि रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर नॉनवेज आइटम की बिक्री होगी तो इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा.

क्योंकि यह धार्मिक नगरी है और यहां मांस मदिरा जैसे पदार्थों की बिक्री पर रोक लगनी चाहिए.

पार्षद रेखा यादव ने बताया कि रेल्वे स्टेशन पर कई असामाजिक तत्वों का डेरा जमा रहता है. यह लोग विभिन्न स्थानों से आकर प्लेटफार्म पर उतर जाते हैं और ग्वालटोली में घुस जाते हैं. जहां रात में चोरी की घटनाएं भी होती रहती है. रेल प्रशासन इन असामाजिक तत्वों को लेकर कोई भी कार्रवाई नहीं करता है.इस कारण इनके हौसले बुलंद होते जा रहे हैं.

पार्षद का कहना है कि रेलवे स्टेशन क्षेत्र के बाहर गंदगी का व्यापक स्तर पर फैलाव है जिसको लेकर रेल प्रशासन द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है. जबकि रेलवे के दोनों प्लेटफार्म के आसपास तथा प्लेटफार्म के बाहरी क्षेत्र में साफ सफाई का ध्यान प्रमुखता से रखा जाना चाहिए.

क्या नर्मदानगरी में इस तरह नॉनवेज की बिक्री रेल्वे स्टेशन पर होना चाहिए?

धार्मिक नगरी कहे जाने वाले शहर के रेलवे स्टेशन पर इस तरह सार्वजनिक रूप से नॉनवेज पदार्थ की बिक्री होने से स्टेशन पर मदिरा पीने वालों की संख्या भी बढ़ जाएगी और इस बात में कोई अतिशयोक्ति नहीं कि इस तरह अबैध रूप से मदिरा का व्यवसाय भी शुरू हो जाएगा. रेलवे स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर इस तरह के व्यवसाय शुरू होने से यात्रियों के साथ कई प्रकार की परेशानियां उत्पन्न हो सकती है. रेलवे स्टेशन क्षेत्र के पास व्यवसाय करने वाले राम गोविंद चौहान ने बताया रेलवे स्टेशन क्षेत्र पर वैसे ही पहले से कई तरह की समस्याएं व्याप्त हैं. अब प्लेटफार्म नंबर एक पर नॉनवेज की बिक्री होने से और भी कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा. श्री चौहान का मानना है कि धार्मिक नगरी में ऐसे व्यवसाय को विराम देना चाहिए जिनसे मानवीय भावना को ठेस पहुंचती हो.

शुद्ध सात्विक यात्रियों को हो सकती है परेशानी..

रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर नॉनवेज आइटमों की बिक्री होने से उन यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है जो खान-पान के मामले में शुद्ध सात्विक जीवन जीते हैं. यदि रेलवे स्टेशन पर इस तरह नॉनवेज के आइटमों की बिक्री शुरू होने लगेगी तो शुद्ध खान-पान वाले यात्रियों को तो वहां से गुजरने में भी हिच किचाहट का सामना करना पड़ेगा. ऐसे में धार्मिक नगरी कहे जाने वाले शहर में कई तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म होने लगेगा. क्या जिस प्लेटफार्म पर नॉनवेज की आइटम की बिक्री होगी क्या वहां आसपास अवैध रूप से शराब का कारोबार नहीं चलेगा?

जब मांस और मदिरा दोनों का मेल हो जाएगा तो क्या प्लेटफार्म पर सामाजिक तत्वों की धमा चौकड़ी दिखाई नहीं देगी..?

ऐसे कई प्रश्न है जो धार्मिक नगरी के रेलवे स्टेशन पर आम नागरिकों की जुबान से उछलते हुए दिखाई दे रहे हैं.

4 अलग-अलग मामलों में 4 लोगों की मौत, जांच में जुटी पुलिस

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत व नगर सहित अलग अलग घटनाक्रम के चार मामले सामने आए हैं इन सभी घटनाक्रम में चार लोगों की मौत हो गई। जिसमें पहला मामला नगर के वार्ड क्रमाक दो रोहिणी केबट उर्फ मीना जो शुक्रवार को घर से कहीं चला गया था। जिसका गोहलपुर थाना जबलपुर के अंतर्गत रेलवे लाईन पर पड़ा मिला था। बताया जा रहा है टेऊन की चपेट में आने से मौत हुई है। रेलवे पुलिस की कार्यवाही के बाद अंतिम संस्कार नगर में किया गया।

दूसरा मामला तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम सहजपुर में बाइक सवार दो युवकों को एक ट्रक ने टक्कर मार दी जिस कारण गम्भीर घायल हो गए थे जिनहे स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था लेकिन हालत गम्भीर होने के कारण जबलपुर रेफर किया गया था। लेकिन इलाज के दौरान मोहित पिता बेनी चक्रवर्ती की मौत हो गई। परिजन शव लेकर तेंदूखेड़ा थाने आए गए थे। साथ ही हंगामा शुरू कर दिया था। पुलिस ने समझाया कि युवक की मौत जबलपुर में हुई है जहां पर मामला दर्ज हुआ है वहां से डायरी आने के बाद संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद मामला शांत हुआ।

तीसरा मामला थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत महगुवा कला एक युवक के द्वारा मोबाइल चार्जर पर लगाते समय करंट लगने से उसकी मौत हो गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार विजय पिता हीरा सींग गौड़ उम्र 30 वर्ष निवासी महगुवा कला थाना तेन्दूखेड़ा है जहां मंगलवार की रात 9 बजे घर पर लाइट के बोर्ड में मोबाइल चार्जर करने के लिए लगा रहा था उसी समय चपेट में आ गया। परिजनों द्वारा घटना की जानकारी पुलिस को दी गई और पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया।

चैथा मामला तारादेही थाना क्षेत्र सर्रा और तारादेही मार्ग पर मुलरा के बीच एक अज्ञात वाहन द्वारा बाइक सवार को टक्कर मारते हुए मौके से भाग गया था। घायल अवस्था में पड़े पप्पू बसोरी निवासी बोरिया को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया था लेकिन गंभीर हालत होने के चलते जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था जहां पर मंगलवार की देर रात इलाज के दौरान पप्पू बसोरी की मौत हो गई। जानकारी अनुसार मृतक बोरिया ग्राम पंचायत के सरपंच का बेटा है जो तारादेही तरफ से वापस अपने ग्राम जा रहा था। तारादेही पुलिस द्वारा घटना की जांच की जा रही है

दो भाई के बीच हुआ विवाद, एक भाई के घर में दूसरे भाई ने लगाई आग, ग्रहस्थी का सामान जलकर हुआ खाक

मारपीट में दोनो पक्षो के 7 लोग हुए घायल

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

तारादेही थाना के अंतर्गत ग्राम समनापुर में परिवार में बंटवारे को लेकर विवाद हो गया है और विवाद इतना बढ़ गया कि एक भाई ने दूसरे भाई के घर में आग लगा दी। इसके अलावा मारपीट होने के कारण दोनो परिवार के 7 लोग घायल हो गए जिसमें एक महिला को जबलपुर रेफर किए जाने सहित घर में आग लगने से लगभग 20 लाख का नुकसान बताया जा रहा है हालांकि तेंदूखेड़ा फायर वाहन को सूचना दी गई थी लेकिन फायर वाहन के पहुंचने से पहले ग्रहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया था प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपचंद पिता पूरन पाल 50 एवं नन्हेलाल पिता पूरन पाल 45 ये दोनों सगे भाई है। लेकिन जमीन बंटवारे को लेकर एक साल से विवाद चल रहा था। जिसको लेकर बुधवार की दोपहर में लगभग एक बजे दोनों भाई में विवाद बढ़ गया। दीपचंद ने

आरोप लगया है कि मेरे घर में नन्हेलाल के परिवार ने आग लगा दी जिससे ग्रहस्थी का सामान उड़द 8 क्विटंल, 16 क्विटंल गेंहू, 5 क्विंटल चावल, 50 हजार नगद, एक मोटर साईकिल, जेवर के साथ साथ सम्पूर्ण घर जलकर खाक हो गया है। इसके अलावा मारपीट में धमेन्द्र पिता दीपचंद पाल 26, दीपचंद पिता पूरन पाल, सकुन पति दीपचंद एवं दूसरे पक्ष के गोविन्द पिता नन्हेलाल 24, आनंद पिता नन्हेलाल 18, नन्हेलाल पिता पूरनपाल 45 इसके अलावा दोनो भाईयो के पिता पूरन पाल 80 को भी चोटे आई है। जिसमें से गम्भीर हालत होने के कारण सकुन पति दीपचंद को जबलपुर मेडीकल कालेज रिफर किया गया है।

कृषि उपज मंडी परिसर में हो रहा है मंदिर का निर्माण

व्यापारियों की निर्माण में श्रमदान की अनोखी पहल

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी में परिसर में मंदिर का निर्माण चल रहा है। मंदिर निर्माण के दौरान छत का कार्य होना था। जिसमें बड़ी संख्या में मंडी व्यापारियों ने एवं मंडी कर्मचारियों ने श्रमदान कर मंदिर निर्माण में सहयोग कर एक अनोखी ओर सराहनीय पहल को शुरू किया है। जिसकी लोगों द्वारा मंडी व्यापारियों की सराहना की जा रही हैं। मंदिर निर्माण में अपनी एक अलग भूमिका निभाई एवं श्रम कर रहे श्रमिकों को सभी व्यापारियों के साथ श्रम करने में बहुत अच्छा लगा। मंदिर निर्माण में मंडी व्यापारियों और मंडी कर्मचारियों द्वारा श्रमदान करना एक सराहनीय पहल है। यह न केवल मंदिर निर्माण के लिए एक बड़ा योगदान है, बल्कि यह समुदाय की एकता और सहयोग की भावना को भी दर्शाता है। मंडी व्यापारियों का कहना है कि श्रमदान से समुदाय के लोगों में एकता और सहयोग की भावना बढ़ती है। मंदिर निर्माण में योगदान श्रमदान से मंदिर निर्माण के लिए आवश्यक श्रम और संसाधनों की व्यवस्था होती है। लोगों को आध्यात्मिक संतुष्टि मिलती है और वे मंदिर निर्माण में अपनी भागीदारी महसूस करते हैं। मंदिर में हो रहे निर्माण कार्य में

मंडी व्यापारियों और कर्मचारियों ने मंदिर निर्माण में श्रमदान करके अपना योगदान दिया है। उन्होंने मंदिर निर्माण समिति के साथ सहयोग करके और समर्थन देकर मंदिर निर्माण के कार्य को आगे बढ़ाया है।यह पहल न केवल मंदिर निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समुदाय के लोगों के बीच एकता और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देती है। इस श्रम कार्यक्रम में अनाज तिलहन संघ के अध्यक्ष सतीश जैन कटारे एवं मंडी सचिव कुमार जी शर्मा, वरिष्ठ व्यापारी अमित अग्रवाल, सुखजीत सिंह काके, हरीश खंडेलवाल, शरद साहू, कपिल रघुवंशी, राजेंद्र जैन किरवाय, ओम प्रकाश गुप्ता, सतीश अग्रवाल जीएल, पंकज खंडेलवाल, अरुण अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, राकेश गुप्ता, बृजेश साहू, आशीष दुबे, शरद शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रमदानी उपस्थित थे।

चित्रगुप्त जी के 12 पुत्रों की प्रतिमाओं की आज होगी स्थापना

गंजबासौदा। कायस्थ समाज के आराध्य देव ब्रह्मपुत्र भगवान श्री चित्रगुप्त जी के 12 पुत्रों की प्रतिमाओं की स्थापना आज गंगा दशहरा के अवसर पर सायंकाल चार बजे स्थानीय श्री चित्रगुप्त मंदिर देवनगरी बेहलोट में विधि विधान से की जाएगी। समिति अध्यक्ष महेश नारायण श्रीवास्तव ने बताया कि भगवान चित्रगुप्त लेखपाल और न्याय के देवता के रूप में पूजे जाते है। वे मनुष्यों के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं और मनुष्य के उनके कर्मों के अनुसार ही मृत्यु उपरांत स्वर्ग लोक और नरक लोक में स्थान दिया जाता है। चित्रगुप्त की दो पत्नियों से 12 पुत्र हुये, जिनसे कायस्थ समाज की उत्पत्ति हुई। बताया कि इस अवसर पर मंदिर में चित्रगुप्त कथा वाचन, हवन, महाआरती, प्रसादी सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। कायस्थ समाज विकास कल्याण समिति के समस्त पदाधिकारियों ने उक्त धार्मिक आयोजन में समाज जनों से अधिक से अधिक पधारकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

राज्यमंत्री जायसवाल ने किया सिल्क टेक पार्क-पचमटी का भ्रमण किया

नर्मदापुरम। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग दिलीप जायसवाल पचमढ़ी में आयोजित केबिनेट बैठक में भाग लेने पचमढ़ी पहुंचे। मंत्री श्री जायसवाल द्वारा सिल्क टेक पार्क पचमढी का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान मंत्री श्री जायसवाल ने प्राकृत सिल्क शोरूम व पचमढी में मूंगा रेशम उत्पादन की गतिविधियों का अवलोकन किया। साथ ही प्रदेश के एक मात्र रेशम बीज उत्पादन केन्द्र की गतिविधियों का सूक्ष्म अवलोकन किया।मंत्री श्री जायसवाल ने पचमढ़ी केन्द्र को प्रोजेक्ट मोड में विकसित करने की आवश्यकता प्रतिपादित की तथा प्राकृत सिल्क शोरूम की बिकी बढ़ाने हेतु इसे फॉरेस्ट के टूरिज्म सर्किट से सिल्क टेक पार्क को जोड़ने की बात की है, जिसकी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रशंसा की गई। उन्होनें पचमढ़ी रेशम को बढ़ाने के लिए टूरिज्म सर्किट में जोड़ने के लिए कहा है। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ यादव ने विभागीय मंत्री से अपेक्षा की है कि रेशम का तीव्र विकास किया जावे, जिसमें पचमढ़ी का रेशम देशभर में जाना जावे तथा इससे अधिक से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर सृजित हों। इस दौरान प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा की धर्मपत्नी ने भी प्राकृत शोरूम तथा रेशम केन्द्र का भ्रमण किया, साथ ही राज्य मंत्री नगर एवं आवास विकास मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी व पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग राज्य मंत्री श्रीमती राधारानी सिंह, ने भी रेशम केन्द्र तथा प्राकृत शोरूम पचमढी का भ्रमण किया। पचमढ़ी प्रदेश का मात्र केन्द्र है जहां चारों प्रकार का रेशम होता है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत किसानों को दी उन्नत खेती की जानकारी

तेंदूखेड़ा/ तारादेही! ग्राम पंचायत सारसबगली एवं कोटखेडा में विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत क्रार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें दल प्रभारी डाक्टर बीएल साहू कृषि विज्ञान केन्द्र दमोह के नेतृत्व में अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों का दल ग्राम पंचायत सारसबगली एवं कोरखेडा में पहुंचा। जहाँ विभिन्न योजनाएँ किसानों को बतलाई गई। नवीन तकनीक नवाचार एवं उन्नत खेती के तरीके बताए गए। किसानों के अनेक सवाल पूछे जिनका जबाव वैज्ञानिकों के द्वारा दिया गया एवं समस्याओ का समाधान किया गया। इस मोके पर वैज्ञानिक डाक्टर बीएल साहू केबीके दमोह, डाक्टर सोमनाथ सखटे जेएनकेब्हीब्ही जबलपुर के द्वारा दी गई। कृषि विभाग के ऐईओ वीरेन्द्र पटैल, उद्यानिकी विभाग से एमएल अहिरवार, परमसिंह पशुपालन विभाग, फसल बीमा से जिनेश जैन के द्वारा फसल बीमा के संबंध में जानकारी दी गई। अंगूरीबाई सरपंच सारसबंगली, संजय लोधी सरपंच कोटखेडा एवं अन्य जनप्रतिनिधि कार्यक्रम में मौजूद रहे।

त्यौहारों पर कानून व्यवस्था बनाये रखने अधिकारियों की लगाई गई ड्यूटी

नर्मदापुरम। जून माह में 05 जून गंगा दशहरा, 07 जून ईदुज्जुहा (बकरीद), 09 जून को बिरसा मुण्डा शहीद दिवस, 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 25 जून स्नान दान श्राद्ध अमावस्या एवं 27 जून 2025 को भगवान जगदीश रथ यात्रा के अवसर पर अपने-अपने अनुविभाग स्तर अंतर्गत उल्लेखित त्यौहार स्नान पर्व के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम श्री डी के सिंह ने कार्यपालिक दण्डाधिकारियों/अधिकारियों की ड्यूटी लगाई। जारी आदेशानुसार अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्री सिंह ने अनुविभागीय दण्डाधिकारी इटारसी श्री टी0 प्रतीक राव (आई.ए.एस.), अनुविभागीय दण्डाधिकारी पिपरिया अनिशा श्रीवास्तव (आई.ए.एस.), अनुविभागीय दण्डाधिकारी सोहागपुर श्री अनिल जैन, अनुविभागीय दण्डाधिकारी नर्मदापुरम श्रीमति नीता कोरी, सिटी मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम श्री बृजेन्द्र रावत एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी सिवनी मालवा श्रीमती सरोज परिहार को अपने अपने संपूर्ण अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले घाट स्थलों पर कार्यपालिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रभारी अधिकारी का दायित्व सौपा है।

मेट्रो एंकर

विश्व पर्यावरण दिवस आज : समाजसेवी व यूथ ने पहल शुरू करते हुए कहा-आओ मिलकर धरा को बनाएं हरा भरा

ग्लोबल वार्मिंग जैसे प्रभाव से बचाने पर्यावरण संरक्षण जरुरी

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

मनुष्य और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। पर्यावरण के बिना हमारा जीवन संभव नहीं है आज 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस है। आज हम सभी मिलकर धरा को हरा-भरा बनाने का प्रण लें। हालांकि जागरूकता के लिए आज जिलेभर में सामाजिक, पर्यावरण संरक्षण संस्थाओं विविध प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे यूथ का कहना है कि पृथ्वी पर दिन-प्रतिदिन पर्यावरण बदलता जा रहा है। इसका मुख्य कारण पर्यावरण में मानवीय हस्तक्षेप है। जिससे प्रदूषण फैल रहा है। जहरीली खेती, प्लास्टिक का इस्तेमाल, पेड़ को लगातार काटने से पर्यावरणीय तंत्र बिगड़ रहा है यदि ग्लोबल वार्मिंग जैसे हानिकारक प्रभाव से बचना है, तो पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है।

जल जंगल और जमीन, इन 3 तत्वों के बिना प्रकृति अधूरी है विश्व में सबसे समृद्ध देश वही हुए हैं, जहां यह तीनों तत्व प्रचुर मात्रा में हों हमारा देश जंगल, वन्य जीवों के लिए प्रसिद्ध है सम्पूर्ण विश्व में बड़े ही विचित्र तथा आकर्षक वन्य जीव पाए जाते हैं। भारत में भी वन्य जीवों की विभिन्न और विचित्र प्रजातियां पाई जाती हैं इनके विषय में ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है

-अनुप्रिया रजक

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए हर एक व्यक्ति को जागरूक होना होगा। प्राकृतिक जल स्रोतों से लेकर वनों की सुरक्षा सभी का दायित्व होना चाहिए। नागरिक नदियों पर जाएं तो वहां गंदगी न फैलाएं और अपने जीवन में कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं और उसकी देखरेख करें। नदियों के संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी है, क्योंकि वृक्ष नदियों के कटाव रोकते हैं।

-मनीष मोदी

हम अपने जिले दमोह की ही बात करें तो यहां कार, स्कूटर, बस इत्यादी जैसे परिवहन हमारी रोज की जिंदगी का हिस्सा बन गए हैं। जबकि इन वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण की वजह बनता है। इससे बचने के लिए यदि हम सप्ताह में कुछ दिन भी यदि गाडियों के इस्तेमाल से बचें। कार बाइक से न चल कर साइकिल से चलें तो बहुत हद तक प्रदूषण पर काबू पाया जा सकता है

-शुभम जैन

समय-समय पर रोपणियों में तैयार पौधों का रोपण मानसून के समय कराया जाता है हमारी प्राथमिकता पौधरोपण तक ही नहीं है बल्कि उनके पेड़ बनने तक हम प्रयास करते हैं। जिले में पौधरोपण की स्थिति काफी अच्छी है

-प्रतीक कुमार दुबे उप वनमंडल अधिकारी तेन्दूखेड़ा

पर्यावरण प्रेमी डॉ आर आर बागरी सीबीएमओ ने बताया कि रैनी सीजन में अधिक से अधिक पौधे लगाए और उनके बड़े होने तक देखभाल करें। वृक्ष से हमें कई फायदे हैं। जीवन के जरूरी ऑक्सीजन मिलती है। मिट्टी के कटाव को रोकता है और उसकी जड़े मिट्टी को बांधे रखती है। भूजल के स्तर को बढ़ाता है तापमान को नियंत्रित करता है। विभिन्न रोगों के लिए तने पत्तियों से दवाइयां बनती है। वन्य जीवों और पक्षियों का घर यानी आश्रय स्थल पेड़ रहे हैं

-डॉ आर आर बागरी सीबीएमओ स्वास्थ्य केंद्र तेन्दूखेड़ा

कल से शुरु होगा नाला निर्माण कार्य एसडीएम ने ठेकेदारों को दिए निर्देश

सिरोंज। शहर में चारों तरफ नाले बनाने काम तो चल रहा है पर अधिकार ठेकेदारों ने काम अधूरे छोड़ दिए हैं इस वजह से आम जनता को परेशानी

हो रही है बारिश का दौरा प्रारंभ होने पर आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा इसका समाचार हमारे संवाददाता वार के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया है एसडीएम ने अधूरे पड़े नालों के निर्माण की खबर को संज्ञान में लेते हुए बुधवार को ठेकेदारों की बैठक लेकर 2 दिन में बंद पड़े निर्माण कार्य फिर से शुरू करने के निर्देश दिए हैं मंडी बाईपास रोड का नला बनाने ठेकेदारों ने कल से काम आरंभ करने की बात कही है बाकी ठेकेदारों ने भी जल्दी ही काम करवाने का आश्वासन एसडीएम को दिया है। एसडीएम आशा चौधरी ने बताया कि बारिश से पहले सभी नालों का निर्माण हालत में करवा लिया जाएगा इसके संबंधमें ठेकेदार की बैठक लेकर उनको निर्देश भी दिए हैं छतरी से लेकर कस्टम पथ वाले नाले काम भी एक-दो दिन में प्रारंभ हो जाएगा। यदि बरसात से पूर्व इनका काम नहीं हुआ तो अधूरे पड़े नालों को कारण शहर वासियों को जरूर मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा घर में पानी पानी भरने की समस्या भी निर्माता होगी।

मुख्य बाजार में बड़े वाहन का प्रवेश जारी, लगे जाम से आमजन परेशान

सिरोंज। मुख्य बाजार में जाम की समस्या दूर करने के लिए एसडीएम हर्षल चौधरी ने कोट गेट ,ढाला बाजार और बाढ चौराहे पर तीन स्थानों पर सुबह 8 बजे से लेकर रात्रि 10 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश रोक लगाने के लिए बैरिकेट्स की व्यवस्था की गई है पर इनकी मेहनत पर कई लोडिंग वाहन चालकों के द्वारा पानी फेरने का काम खुलेआम किया जा प्रशासन के इंतजाम के बाद लोडिंग वाहनों का बिना रोक-टोक के मुख्य बाजार में प्रवेश हो रहा हैं ।बुधवार को लोडिंग वाहन के अंदर जाने के कारण जाम के हालात निर्मित हो गए क्योंकि इसको सड़क पर ही खड़ा करके इसमें से सामान उतारने का काम किया जा रहा था इस वजह से जाम से लगने से दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी लाने लग गई। इस वजह से जनता और व्यापारी जरूर परेशान हो रहें हैं । वहीं यहां हालत पुलिस चौकी के थोड़े ही आगे निर्मित हुए उसके बाद भी लोडिंग वाहन पर किसी भी तरह की कार्रवाई करने की हिम्मत पुलिस चौकी में मौजूद पुलिसकर्मी नहीं कर पाए । वहीं पुलिस चौकी पुलिस कुर्मी भी अधिकांश समय गायब रहते हैं इस वजह से व्यापारीगणो और आम जनता को जाम के कारण प्रतिदिन मुश्किलों का सामना करना पड़ा पढ़ रहा है। नियमों के अनदेखी करने वालों पर जुर्माने की कार्रवाई प्रशासन को करनी चाहिए।

दबंग लोगों ने दलित से की मारपीट, दोनों पैर फेक्चर, मामला दर्ज

सिरोंज। बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में सुनील अहिरवार की पत्नी भूरी बाई ने पुलिस एसडीपीओ कार्यालय पहुंचकर आवेदन पत्र

सौंपा जिसमें उल्लेख किया गया है कि दिनांक 27/5/2025 को ग्राम ललितपुर तहसील सिरोंज जिला विदिशा मैं मेरे पति सुनील अहिरवार को कुछ गांव के दबंग लोगों ने रात्रि में अकेला पाकर उसे बहुत बेरहमी से पीटा गया है जिससे सुनील अहिरवार के दोनों पैर तोड़ दिये गये जिसको सिरोंज से विदिशा सरकारी अस्पताल में रेफर किया गया था वहां पर भी इलाज ना कराने की वजह से प्रायवेट अस्पताल में दोनों पैरों में आपरेशन के द्वारा राटें डालकर घर भेज दिया था वहीं दिनांक 2/6/2025 को सुनील अहिरवार द्वारा बसपा कार्यकर्ताओं से संपर्क कर उसको न्याय दिलाने की गुहार लगाई डॉक्टर लखपत सिंह ठकरेले ने अपने साथियों के साथ पहुंचकर सुनील अहिरवार को सिरोंज के शास्कीय अस्पताल में भर्ती कराया गया और सुनील अहिरवार की पत्नी एवं बहन के साथ जाकर पुलिस एसडीओपी की अनुपस्थिति में उनके बाबू को आवेदन पत्र देकर आरोपीयों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई वहीं पुलिस द्वारा आश्वासन दिया गया कि अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। वहीं समाज के लोगों ने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो हम सभी एसपी कार्यालय का घेराव करेंगे। इस अवसर पर डॉक्टर लखपत सिंह, हरिनारायण मौर्य विधानसभा प्रभारी शमशाबाद, बसपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ईव्हीएम गोडाउन का निरीक्षण

सिरोंज। विदिशा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज विभिन्न राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों के साथ ईव्हीएम गोडाउन में रखे गए ईव्हीएम मशीनो का निरीक्षण किया है। गौरतलब हो कि निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशो के अनुपालन में प्रत्येक तीन माह में एक बार जिला निर्वाचन अधिकारी, राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों के साथ ईव्हीएम गोडाउन का निरीक्षण करना अनिवार्य है। आज सम्पन्न हुए निरीक्षण के दौरान प्रभारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी व संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा के अलावा विभिन्न दलो के पदाधिकारी साथ मौजूद रहें।

आनंदपुर में शांति समिति की बैठक संपन्न

सिरोंज। मुस्लिम समुदाय के प्रमुख त्यौहार ईद-उल-अजहा को शांतिपूर्वक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जाने को लेकर थाना आनंदपुर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नायब तहसीलदार हेमंत अग्रवाल एवं थाना प्रभारी वी. डी. सिंह ने की। बैठक में दोनों अधिकारियों ने क्षेत्रवासियों से संवाद स्थापित करते हुए क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं पर चर्चा की। स्थानीय नागरिकों ने आरोन रोड स्थित मुक्तिधाम निर्माण, वार्डों में खुदी हुई सड़कों तथा नालियों की सफाई जैसी समस्याएं उठाईं। इन समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए नायब तहसीलदार अग्रवाल ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में मुस्लिम समुदाय के साथ-साथ हिन्दू समाज के अनेक सदस्य भी उपस्थित रहे, जिससे आपसी सौहार्द और सामाजिक एकता का स्पष्ट संदेश मिला।

मजदूरों को नही मिल रहा सरकारी योजनाओं लाभ

मशीनों से करवाया जा रहा मनरेगा का कार्य, भ्रष्टाचारियों की बल्ले-बल्ले !

करोड़ों का भ्रष्टाचार उजागर होने के बाद भी नही हो रही ठोस कार्रवाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज। जनपद ऑफिस लटेरी, यह एक ऐसा सरकारी महकमा है जहां नियम ही नहीं कानून भी ताक़ पर रहते हैं। सूत्रों के हवाले से खबर है कि आगामी चंद सप्ताहों में यहां करोड़ों के कार्य नियम विरुद्ध करना तय हुआ है, उदाहरणार्थ, यहां टीएस, एएस, मस्टर सहित मजदूरों का घोटाला किया जाना भी तय किया गया है, क्योंकि बरसात के समय में मस्टर जो चलाना है। छह-छह माह पूर्व किए गए कार्यों की बाद में टीएस एवं मनरेगा के कार्यों में भारी अनियमितताएं करते हुए धड़ल्ले से मशीनरी का उपयोग किया जा रहा है। यह वो बातें हैं, जो कि जनपद पंचायत लटेरी में होना एक आम बात है। यूं तो जनपद पंचायत की कार्यशैली को लेकर जानकारों को सब कुछ ज्ञात रहता है। इतना ही नहीं यहां होने वाली अनियमित्ताओं को अब तक उच्चाधिकारियों की हरी झंडी भी मिलती रही है। शायद यही वजह है कि करोड़ों का भ्रष्टाचार उजागर हो जाने के बाद भी यहां ठोस कार्रवाई के नाम पर नतीजे शून्य हैं। हालत यह है कि जनपद पंचायत की 61 पंचायतों में से अधिकतर में अनियमित्ताओं की बाढ़ है।अनियमित्ताएं भी ऐसी कि सुन और देखकर इंसान हैरत में पड़ जाए। कहीं एक ही कार्य को दिखाकर एक से अधिक भुगतान हुए तो कहीं बिना कार्य किए ही भुगतान हो गया है। इतना ही नहीं लाभ कमाने के क्रम में नौवत तो यहां तक भी आ गई है कि अनेक पंचायतों में बिना किसी स्वीकृति के कार्य शुरू कर दिए जातेहैं। यानि कि सरपंच साहब जेब से ही निर्माण कराने की हिम्मत रखते हैं। इसके पीछे उद्देश्य सिर्फ एक होता है। भ्रष्टाचार और सिर्फ भ्रष्टाचार !

मशीनों से चलती है, मनरेगा और जनपद की गाड़ी

भले ही भारत सरकार ने हर गरीब को काम देने के उद्देश्य से मनरेगा की शुरूआत की हो, लेकिन भ्रष्टाचारियों के हाथों में आने का बाद सरकार के इस सपने को भी पलीता लग गया है। हाल यह है कि जनपद के अंतर्गत होने वाले मनरेगा कार्यों में मशीनों का उपयोग होता है। वहीं भुगतान के समय मजदूरों को लेकर जॉब कार्ड फर्जीबाड़ा कर लिया जाता है। कई ग्राम पंचायतों में तो गांव की जनसंख्या से भी अधिक जॉबकार्ड बने हुए है।

धरातल पर नहीं दिखा एक भी मजदूर पोर्टल पर कार्य करते दिख रहे हजारों मजदूर

आज हमारी टीम द्वारा पोर्टल पर कार्य करते हुए मजदूरों की सत्यता परखने के लिए जिन ग्राम पंचायतों में 200 से अधिक मजदूर चल रहे हैं उनका दौरा किया गया, सर्व प्रथम टीम ग्राम पंचायत आनंदपुर पहुंची इस पंचायत में आज कि तारीख में पोर्टल पर 409 मजदूर कार्य करते हुए दिख रहे है लेकिन वास्तविकता कुछ अलग ही निकली, ग्राम वासियों द्वारा बताया गया कि कि कहीं कोई मजदूर कार्य नहीं कर रहे है समस्त कार्य मशीनों से किया जा रहे हैं। इसी तरह ग्राम पंचायत छिरारी 218, गोपालपुर में 208, मलानिया 218, मोतीपुर 296, मुंडेला 258, मुरारिया 150, मुरवास 158, टोकरा 257 ईशर वाश 185 ओर भी लटेरी जनपद में कई ग्राम पंचायतें है जहां पर कागजों पर तो मजदूर चल रहे हैं लेकिन धरातल की वस्तुस्थिति कुछ अलग ही है।

मजदूरी न मिलने के कारण ग्राम पंचायतों में बन रही पलायन की स्थिति

ग्रामों में मजदूरी न मिलने के कारण कई परिवार रोजी रोटी की तलाश के लिए गुजरात एवं राजस्थान को जाने के लिए मजबूर है, ग्राम वासी बताते है कि बच्चों को पालने के लिए बाहर जाना पड़ रहा है, यदि ग्राम में ही कार्य मिल जाए तो इतनी दूर कार्य करने कोई नहीं जाएगा।

मजदूरों के बारे में पूछने पर बगलें झांकते नजर आए सचिव एवं रोजगार सहायक

हमारी टीम द्वारा मजदूरों के बारे में आनंदपुर सचिव माणकचन्द साहू से पूछा गया कि मजदूर कहां पर कार्य कर रहे हैं तो उन्होंने कहा में आज पंचायत नहीं गया हूं मुझे पता नहीं है कि मजदूर लगे है या नहीं आप सरपंच या रोजगार सहायक से पूछो, जब हमने आनंदपुर रोजगार सहायक को फोन लगाया तो उन्होंने फोन उठाना भी मुनासिब नहीं समझा। इसके बाद हमारी बात मोती पुर रोजगार सहायक से हुई तो भी गोलमोल जवाब देते नजर आए। फिर हमारी टीम द्वारा इन सभी पंचायतों के सचिव एवं रोजगार सहायकों को फोन लगाए गए तो कोई भी संतुष्टि पूर्वक जवाब नहीं दे पाया ना मौके पर कार्य करती हुई लेबर दिखा पाए।

झूकर सेक्टर प्रभारी इंजीनियर नहीं उठातीं मोबाइल

हमारे द्वारा झूकर सेक्टर की ग्राम पंचायतों में चल रही लेवर के बारे में जानकारी लेने के लिए झूकर सेक्टर प्रभारी इंजीनियर मैडम कंचन सिंह को फोन किया गया तो मेम ने फोन उठाना ही मुनासिब नहीं समझा, इसके पहले भी कई बार इंजीनियर मैडम को कई बार फोन किए गए हैं लेकिन इंजीनियर मैडम द्वारा कभी भी फोन रिसीव्ड नहीं किया जाता है आप अगर दो चार बार लगाते है तो नंबर ब्लैक लिस्टेड कर दिया जाता है।

इनका कहना है

जल गंगा अभियान के तहत कई कार्य ग्राम पंचायतों में प्रारंभ कराए गए हैं उन कार्यों को किसी भी हालत में जून तक पूर्ण कराए जाने हैं शासन के ऐसे निर्देश हैं। उन कार्यो को पूरा करने के लिए लेवर लगाई गई है जी पंचायतों में ज्यादा लेवर लगी हैं उनमें लेवर से कार्य नही कराया जा कर अन्य संसाधनों से कराया जा रहा है उनपर जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

-उदय प्रताप सिंह, मुख्य कार्य पालन अधिकारी जनपद पंचायत लटेरी

आंगनवाडी केन्द्रो के बच्चों को 15 दिनों का अवकाश

सिरोंज। विदिशा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा इस वर्ष एक बड़ा निर्णय लिया गया है। जिसके अनुसार अब शिक्षा विभाग की तर्ज पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भी आंगनवाडी केन्द्र के बच्चों को 15 दिवस का ग्रीष्मकालीन अवकाश दिया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 जून से 15 जून तक रहेगा। इस दौरान आंगनवाडी केन्द्रों में बच्चें केन्द्र नही आयेंगे, उनके लिए पूरी तरह छुट्टी रहेगी। आंगनवाडी कार्यकर्ता और सहायिका केन्द्र संचालित कर आई. सी.डी.एस. से जुडे कार्य करते रहेंगी। श्रीमती लोढ़ा ने बताया कि विभाग ने इस बात का ख्याल रखा है कि बच्चें आंगनवाडी केन्द्रों पर ना आने पर उन्हें पौष्टिक आहार की कोई दिक्कत ना हो। इसके लिए विभाग द्वारा रेडी टू ईट पौष्टिक आहार के पैकेट बच्चो को वितरित किये है। ये पैकेट आंगनवाडी केन्द्रों से जुडे स्वयं सहायता समूह के माध्यम से तैयार करवा कर आगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा सीधे हितग्राहियों को दिये गये है। परियोजनावार आरटीई सामग्री प्रदान करने वाले स्व सहायता समूहों की संख्या तदनुसार बासोदा परियोजना एक में 192, बासोदा 2 परियोजना में 95, ग्यारसपुर परियोजना में 184, कुरवाई परियोजना में 222, लटेरी परियोजना में 217, नटेरन परियोजना में 217 सिरोंज परियोजना में 289, विदिशा ग्रामीण परियोजना में 238, विदिशा नवीन परियोजना में 16 इस प्रकार जिले में कुल 1670 है।

प्राचीन तालाब बना कमाई का जरिया, अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों की चांदी

तेज रफ्तार से दौड़ रहे हैं डंफर, नो एंट्री की उड़ा रहे हैं धज्जियां, प्रशासन बेबस, जनता हो रही परेशान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

तालाब का विकास होगा ना हो पर अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों का जरूर विकास तालाब के गहरी करण से हो रहा है। दूसरी ओर नो एंट्री के बाद भी शहर के सभी क्षेत्रों में तेज गति से डंपर और ट्रैक्टर ट्रालियां कोपरा तथा मिट्टी से भरें हुए दौड़ना इसके कारण आम जनता को जरूर परेशान हो रही है धूल के कारण कुछ नजर नहीं आता है धुआ भी कई डंपर छोड़ा है बिना फिटनेस के ही चल रहा है।इनको रोकने रोकने वाला कोई नजर नहीं आ रहा या फिर शासन अधिकारी भी इनके आगे मजबूर है तभी तो आम जनता को परेशानी खड़ी करने वालों पर करवाई नहीं कर पा रह हैं ।कई डंपर और ट्रैक्टर की हालत इतनी खराब है कि इनके ब्रेक भी नहीं मुश्किल से लगते हैं फिर भी नो एंट्री में दौड़ा है किसी दिन इस अनदेखी कारण बड़ी दुर्घटना भी घटित हो सकती है उसके बाद ही जिम्मेदारी इस और ध्यान देंगें आम जनता को सुविधा के लिए नो एंट्री का नियम बनाया गया है पर उसका यह खुलेआम मजाक उड़ा रहे हैं ।

ठेके पर हो रहा है काम

इस बार नपा परिषद के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से तालाब का गहरी करण करवाया जा 60 घन मीटर है खनिज विभाग को देने की बात कही जा रही है और 26 74 पैसे नपा परिषद को देने की बात नगर पालिका के इंजीनियर कर रहे हैं पर कितनी मात्रा में ठेकेदार के द्वारा मटेरियल निकलवाया जा रहा है उसका गुणा भाग कितना सही तरीके से नपा परिषद के अधिकारी कर्मचारी कर रहे है यह कहां पाना मुनासिब नहीं है वैसे चर्चा होती है कि तालाब कई अधिकारी और जनप्रतिनिधियों के लिए फायदे का सौदा साबित होता है इसलिए इसका काम इतने सालों में भी पूर्ण नहीं हो पाया है यदि काम काम पूर्ण हो जाएगा तो इनका फायदा होना बंद हो जाएगा इसलिए इसका काम खत्म नहीं हो रहा है। नपा परिषद के इंजीनियर सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि नियमों के तहत ही तालाब के गहरीकरण का कार्य ठेकेदार के माध्यम से करवा रहे हैं 60 रूपए घन मीटर खनिज विभाग और 26 रुपए 27 पैसा हमें मिल रहे है। खुदाई के बाद कहीं भी मटेरियल ले जा सकते हैं।

किन का हो रहा है विकास

नगर के प्राचीन तालाब के गहरी करण से लेकर अन्य कामों के नाम पर करोड रुपए की राशि खर्च हो चुकी है इसका विकास तो नहीं हो पाया पर कई लोगों का विकास जरूर हो गया है इसकी चर्चाएं जोरों से हो रही है इस बार भी कौन का विकास होगा यह तो आने वाले दिनों में ही पता चलेगा पर तालाब का विकास हो जाए यहां बहुत बड़ी बात होगी अभी इसके हालत बहुत बुरे नजर आते हैं इतनी राशि खर्च होने पर तो यह तालाब भोपाल के तालाब के जैसा बन जाता।

अवैध कॉलोनी वलों की चांदी

तालाब को साफ सुंदर बनाने के नाम पर वर्षों से करोड रुपए की राशि खर्च हो चुकी है पर आज तक उसकी तस्वीर नहीं बदल पाई है। अभियानों के माध्यम से सालों से गहरी करण से लेकर सौंदर्यीकरण के नाम पर करोड रुपए की राशि नगर पालिका प्रशासन से खर्च हो चुकी है तालाब की सूरत तो नहीं बदली पर अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों को जरूर फायदा हो रहा है। दूसरी ओर जनता के फायदे के लिए काम करवाने की बता की जाती हकीकत में कुछ और ही हो रहा है। प्रत्येक साल कोपरा मिट्टी निकालकर जगह गड्ढे जरूर कर दिए जाते हैं। इस वजह से तालाब का कार्य आज तक नहीं हो पाया इस बार फिर पूरी तरह से खुदाई करके व्यवस्थित तालाब बनाने के दावे नगर पालिका परिषद के अधिकारी कर रहे हैं पर वास्तविकता में क्या होगा यहां तो आने वाले दिनों में ही पता चलेगा वहीं अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों को फायदा पहुंचाने के लिए तालाब में से कोपरा और मिट्टी निकलवा कर खाना पूर्ति कर दी जाती है क्योंकि अगले साल फिर इनको लाभ पहुंचाने के लिए फिर से अभियान के माध्यम से तालाब की खुदाई करके जनता को गुमराह किया जाएगा खुद का और भूमाफियाओं आवश्यक रूप से तालाब के नाम पर विकास हो रहा है।

तालाब में से मटेरियल निकलने और परिवहन की अनुमति खनिज विभाग से जारी हुई है या नहीं उसकी जानकारी लेने के लिए जिला खनिज अधिकारी फोन से संपर्क किया तो उनका मोबाइल बंद आ रहा था इसलिए उनका पक्ष नहीं आ पाया।

इनका कहना है

हमारे यहां से कोई अनुमति खुदाई और परिवहन की नहीं है, नगर पालिका शासन के अभियान में गहरीकरण करवा रही है।

संजय चौरसिया तहसीलदार

मेट्रो एंकर

आपदा प्रबंधन, पूर्व तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश

संभागायुक्त संजीव सिंह ने संभाग के जिलेवार तैयारियों का जायजा लिया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा वर्षाकाल के दौरान भोपाल संभाग के किसी भी जिले में किसी भी प्रकार की क्षति ना हो इसके लिए किए जाने वाले प्रबंधो पर आज संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने संभाग के सभी जिलो के कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक से संवाद कर आपदा प्रबंधन के संबंध में किए जाने वाले कार्यो की विभागवार तैयारियों के संबंध में वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संवाद कर वर्षाकाल के पूर्व किए जाने वाले प्रबंधो पर गहन प्रकाश डाला है।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने विदिशा जिले में बाढ आपदा से बचाव पूर्व किए गए प्रबंधो की जानकारियां सांझा की वहीं विभागवार सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन प्रबंधो तथा एसओपी के क्रियान्वयन से अवगत कराया।

संभागायुक्त की व्हीसी के उपरांत कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने एनआईसी व्हीसी कक्ष में मौजूद विभिन्न विभागो के अधिकारियों को

बाढ आपदा से बचाव के लिए विभागवार निर्धारित एसओपी के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। वर्षारूपी जल का भराव वार्डो में ना हो इसके लिए नालो की साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि बाढ का पानी पहली बार नालो की सफाई ना करें के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित हो। खासकर पिछले अनुभवों को शेयर करते हुए कहा कि जैसे ही बारिश होती है वैसे ही नालो मे बहाव चालू होता है तो कचरा बहता हुआ नजर आता है ऐसी स्थिति किसी भी वार्डो में कदापि नजर ना आए।

कलेक्टर ने कहा कि हर वर्ष बाढ प्रभावित क्षेत्रों का चिन्हांकन किया जाता है। उन क्षेत्रों में वर्षारूपी जल का भराव ना हो के लिए अभी से हर विभाग अपनी-अपनी कार्ययोजना को तैयार कर संयुक्त रूप से मूर्तरूप देना सुनिश्चित करें। खासकर निकाय क्षेत्रों निचली बस्तियों में वर्षारूपी जल का भराव ना हो के अलावा उन्होंने नवीन सडको के निर्माण कार्य होने से सडको को क्रास करने वाले नालो में पाइप बगैरा की जांच पडताल अभी से कर लें। इसी प्रकार की तैयारियां ग्रामीण क्षेत्रो में भी करने के निर्देश उन्होंने दिए है।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में जो भी जलाश्य, नदियां है जिनके माध्यम से वर्षारूपी जल बस्तियों, शहर में भरता है का चिन्हांकन पूर्व में किया जा चुका है। इसके अलावा और नए क्षेत्रों में जलभराव की संभावना हो तो उसकी सूची तैयार की जाए।

इंडोनेशिया ओपन

करुणाकरण-वरियाथ की जोड़ी ने मिश्रित युगल में

भारत की उम्मीदें बरकरार रखीं

जकार्ता। सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वरियाथ ने इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के मिश्रित युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया लेकिन भारत की अन्य जोड़ियां बुधवार को शुरुआती दौर में के बाद बाहर हो गईं। करुणाकरण और वरियाथ ने 45 मिनट तक चले शुरुआती दौर के कड़े मुकाबले में चीनी ताइपे की ये होंग वेई और निकोल गोंजालेस चैन को 15-21, 21-16, 21-17 से हराया। इस स्पर्धा में हालांकि अन्य भारतीय जोड़ियों ने निराश किया क्योंकि वे अगले दौर में आगे बढ़ने में असफल रहीं। रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गाड्डे को युची शिमोगामी और सयाका होबारा की जापान की जोड़ी से 14-21, 9-21 से शिकस्त मिली। आशिथ सूर्या और अमृता प्रमथेश को डेनमार्क के मैड्स वेस्टरगार्ड और क्रिस्टीन बुश के हाथों 15-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो की जोड़ी भी शुरुआती दौर की बाधा को पार करने में विफल रही।

बेंगलुरु हादसे पर आई विराट कोहली की प्रतिक्रिया

आरसीबी का जश्न मातम में बदला, भगदड़ में गई 11 की जान, 30 से अधिक घायल

पूरी तरह से टूट गया हूं, मेरे पास कहने को शब्द नहीं...

नई दिल्ली, एजेंसी

बेंगलुरु में बुधवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में 11 लोगों की जान गई। इस हादसे पर आरसीबी के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली का रिएक्शन सामने आया है। कोहली ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि इस घटना के बाद मैं पूरी तरह से टूट गया हूं और मेरे पास कहने को शब्द नहीं है।

आरसीबी ने इस घटना पर दुख जाहिर करते हुए कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से हम बहुत दुखी हैं। सभी की सुरक्षा और भलाई हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। आरसीबी दुखद मौत पर शोक व्यक्त करता है और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। स्थिति से अवगत होने के तुरंत बाद, हमने तुरंत अपने कार्यक्रम में बदलाव किया और स्थानीय प्रशासन के मार्गदर्शन और सलाह का पालन किया। हम अपने सभी समर्थकों से आग्रह करते हैं कि कृपया सुरक्षित रहें।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के लिए क्रिकेट एसोसिएशन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बीजेपी के सवालों पर पलटवार करते हुए कहा कि महाकुंभ के दौरान भी भगदड़ हुई थी। ऐसी घटनाओं पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। सीएम ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ऋष्क) की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ को एक %अप्रत्याशित हादसा% बताया। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इस घटना की जानकारी देते हुए सीएम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, %सरकार और क्रिकेट एसोसिएशन ने विक्ट्री परेड का आयोजन किया था। किसी ने भी इस तरह के हादसे की कल्पना नहीं की थी। लेकिन 35 हजार की क्षमता वाले स्टेडियम के बाहर 3-4 लाख लोगों की भीड़ जमा हो गई।

बीसीसीआई ने भी हादसे पर जताया दुख: कहा

विजय उत्सव की बनानी चाहिए थी योजना

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न में मची भगदड़ को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का बयान भी सामने आया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, यह दुखद घटना है। यह लोकप्रियता का नकारात्मक पहलू है, लोग अपने क्रिकेटरों के लिए पागल हैं। यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है, आयोजकों को आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न की बेहतर योजना बनानी चाहिए थी। मृतकों के परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। सैकिया ने कहा, जब कोई इतने बड़े पैमाने पर विजय उत्सव का आयोजन करता है, तो उचित सावधानी, सुरक्षा और संरक्षा उपाय किए जाने चाहिए। कहीं न कहीं कुछ चूक हुई है। आईपीएल के इतने शानदार समापन के बाद, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना रही। पहले भी आईपीएल की खिताबी जीत का जश्न मनाया गया है, जैसे पिछले साल कोलकाता में जब केकेआर ने जीत हासिल की थी, लेकिन वहां कुछ नहीं हुआ था।

मुंबई का दिया उदाहरण

सैकिया ने बारबाडोस में भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद मुंबई में हुए जश्न का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा, जब हमने टी20 विश्व कप जीता था, तब भी यही स्थिति थी। मुंबई में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, लेकिन कुछ नहीं हुआ। पुलिस और स्थानीय अधिकारियों ने मिलकर काम किया जिससे कार्यक्रम सुचारू रूप से आयोजित किया जा सके। मुझे उम्मीद है कि कोई और अप्रिय घटना न हो। उन्होंने कहा, मंगलवार को अहमदाबाद में भी आईपीएल फाइनल के दौरान स्टेडियम में 120,000 लोग थे, लेकिन बीसीसीआई के पास एक समर्पित टीम है, जिसने स्थानीय जिला प्रशासन और कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ मिलकर दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत योजना बनाई।

वेस्टइंडीज-इंग्लैंड वनडे सीरीज

अंग्रेजों ने कैरिबियाई टीम का सूपड़ा साफ किया , चमके स्मिथ

लंदन, एजेंसी

आदील राशिद की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद जैमी स्मिथ की के वनडे करियर की पहली अर्धशतकीय पारी से इंग्लैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला के बारिश से प्रभावित आखिरी एकदिवसीय में वेस्टइंडीज को सात विकेट से शिकस्त दी। इंग्लैंड ने इसके साथ ही इस श्रृंखला को 3-0 से अपने नाम किया। दोनों टीमें अब शुक्रवार से तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में भिडेंगी।

स्मिथ ने 28 गेंद की ताबड़तोड़ पारी में 10 चौके और तीन छक्के की मदद से 64 रन बनाने के साथ पहले विकेट के लिए बेन डकेट (58) के साथ 93 रन की साझेदारी की जिससे इंग्लैंड ने डकवर्थ लुईस पद्धति से 40 ओवर में जीत के लिए मिले 246 रन के लक्ष्य को 62 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया।

मैच में दो बार देरी हुई। वेस्टइंडीज की टीम बस ट्रैफिक लाइट की खराबी के कारण काफी देर तक फंसी रही। टीम टॉस के लिए तय समय पर मैदान तक नहीं पहुंच। इसके बार बारिश के कारण 90 मिनट का खेल प्रभावित हुआ। यातायात की इस समस्या से निपटने के लिए इंग्लैंड के खिलाड़ी टीम बस को छोड़ किराये की साइकिल से स्टेडियम पहुंचे।

नेट सत्र में वार्मअप के बिना मैदान पर उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने यहां गेंदबाजों के अनुकूल परिस्थितियों में 28 रन पर तीन विकेट गंवा दिये। इसके बाद मैच में बारिश ने खलल डाला। मैच दोबारा शुरू हुआ तो वेस्टइंडीज ने 154 रन तक सात विकेट गंवा दिये। टीम हालांकि नौ विकेट पर 251 रन बनाने में सफल रही। शेरफेन रदरफोर्ड ने 71 गेंदों पर 70 रन बनाकर टीम को 250 रन के पार पहुंचने में अहम योगदान दिया। गुडाकेश मोती और अल्जारी जोसेफ ने आठवें विकेट

गुकेश को नॉर्वे शतरंज में नाकामुरा से मिली करारी हार

स्टवांगेर। अमेरिका के ग्रैंड मास्टर हिकारू नाकामुरा ने विश्व चैंपियन डी गुकेश की क्लासिकल प्रारूप में लगातार जीत के सिलसिले को तोड़ते हुए पूरे तीन अंक हासिल किये, जबकि अर्जुन एरिगैसी ने नॉर्वे शतरंज में फैबियानो कारुआना को हराकर फिर से खिताबी दौड़ में वापसी की। शुरुआती मुकाबलों में पिछड़ने के बाद गुकेश ने इस प्रतियोगिता में लय हासिल कर शानदार वापसी की थी। उन्होंने छठे और सातवें दौर में मैग्नस कार्लसन और एरिगैसी पर जीत दर्ज की थी। वह हालांकि नाकामुरा को चार घंटे तक चले मैच में ज्यादा परेशान नहीं कर सके और अमेरिका के खिलाड़ी ने क्लासिकल प्रारूप में जीत के साथ पूरे तीन अंक हासिल किये।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

इंडस्ट्री में न्यूकमर्स को आसानी से नहीं मिलता काम, पंकज त्रिपाठी की बॉलीवुड को दो टूक

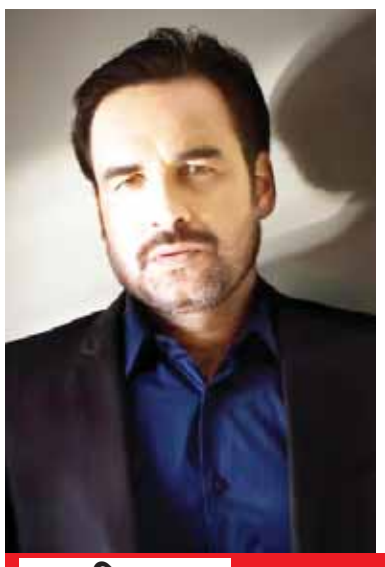

हिंदी सिनेमा के एक्टर पंकज त्रिपाठी दर्शकों के बीच अपने काम को लेकर वाहवाही बटोरते नजर आते हैं। पर यहां तक पहुंचने में भी पंकज ने काफी मेहनत की है। स्ट्रगल किया है। इनके लिए ये जर्नी बिल्कुल भी आसान नहीं रही। हाल ही में एक इंटरव्यू में पंकज ने बॉलीवुड की कुछ हकीकत बताई।

पंकज का कहना है कि बॉलीवुड में अगर कोई न्यूकमर है तो उसका स्ट्रगल करना निश्चित है, लेकिन बात ये भी है कि उसको शायद काम उतनी जल्दी न मिले, जिसका वो हकदार है। अपने शुरुआती दौर का उदाहरण देते हुए पंकज ने ये बात कही। पंकज ने कहा- इंडस्ट्री न्यूकमर्स के स्ट्रगलिंग फेज में उन्हें उस तरह मौका नहीं देती है जो वो डिजर्व करते हैं। हिन्दुस्तान टाइम्स संग बातचीत में पंकज ने कहा- हमारी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के साथ कुछ दिक्कत है।

जो लोग स्ट्रगल करते हैं, उन्हें काम नहीं मिलता है। साल 2004 से 2012 के बीच 2-3 बार कुछ ऐसा हुआ मेरे साथ कि मैं कैमरा फेस नहीं कर पाया। मैं शूट नहीं कर पाया। फिर मुझे कुछ छोटे-मोटे रोल्स मिले। धीरे-धीरे मैं बड़ा हुआ। पॉपुलर हुआ। कई ऑफर्स मुझे मिले, जब भूख ज्यादा लगी होती है तो इंसान का ओवरईटिंग करना सम्भाव होता है। तो मैंने वही किया। मैंने बहुत सारा काम किया। इस दौरान मुझे चीजों को अलग-अलग रखने में दिक्कतें हुईं। आप बस उस समय ट्राय करते हो और कुछ नहीं। जब आप एक ही पेंटर की 10 तस्वीरें देखते हैं तो दूर से सभी एक जैसी लगती हैं। क्योंकि उसका वो स्टाइल होता है जो हर पेंटिंग में अलग दिखाई नहीं दे सकता।

मेट्रो बाजार

भारतीय सेवा क्षेत्र की वृद्धि मई में मोटे तौर पर स्थिर

नई दिल्ली। भारतीय सेवा क्षेत्र की वृद्धि मई में मोटे तौर पर स्थिर रही। इसे मांग की बेहतर स्थिति, नए ग्राहक मिलने आदि जैसे कारकों से समर्थन मिला। बुधवार को जारी एक मासिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक मई में 58.8 रहा जो अप्रैल में 58.7 पर था। यह आंकड़ा विस्तार की एक और तीव्र दर का संकेत देता है।

क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का

आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी में भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''भारत का सेवा पीएमआई मई 2025 में 58.8 रहा जो हालिया वृद्धि के अनुरूप मोटे तौर पर स्थिर है। मजबूत अंतरराष्ट्रीय मांग ने सेवा गतिविधि को बढ़ावा देना जारी रखा, जैसा कि अप्रैल से नए निर्यात व्यापार सूचकांक में उछाल से स्पष्ट है।'' सर्वेक्षण के अनुसार, नए ऑर्डर में तीव्र वृद्धि हुई, जो मुख्य रूप से विज्ञापन, मांग की मजबूती और मौजूदा ग्राहकों से दोबारा मिले ऑर्डर के कारण हुई।

भंडारी ने कहा, ''बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत के सेवा प्रदाताओं ने कर्मचारियों की भर्ती में भारी वृद्धि की है। वास्तव में, रोजगार सूचकांक इस सर्वेक्षण में अब तक दर्ज किए गए उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।''

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू, सभी की निगाहें तीसरी दर कटौती पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक समीक्षा बैठक बुधवार को शुरू हो गई। इसमें वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आर्थिक वृद्धि को तेज करने के लिए नीतिगत ब्याज दर में एक और कटौती का फैसला लिया जा सकता है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली एमपीसी की तीन दिन तक चलने वाली बैठक में मौजूदा अंतरराष्ट्रीय एवं घरेलू परिवेश को देखते हुए नीतिगत दर पर विचार किया जाएगा। एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी शुक्रवार को दी जाएगी।

इसके पहले आरबीआई ने फरवरी और अप्रैल में हुई पिछली दो मौद्रिक समीक्षा बैठकों में प्रमुख ब्याज दर रेपो में कुल 0.50 प्रतिशत की कटौती की है। इस समय रेपो दर छह प्रतिशत पर है। ऐसे में अगर एमपीसी इस बार भी ब्याज दर में कटौती का फैसला करती है तो यह अल्पकालिक मानक उधारी दर में लगातार तीसरी कटौती हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई शुक्रवार को भी रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकता है और यह सिलसिला अगस्त की बैठक में भी जारी रहने की संभावना है। हालांकि, एसबीआई के एक शोध में उम्मीद जताई गई है कि केंद्रीय बैंक जून की समीक्षा बैठक में ही 0.50 प्रतिशत की 'जंबो' कटौती कर सकता है। केयरएज रेटिंग्स ने कहा कि गिरती मुद्रास्फीति आरबीआई को बाहरी बाधाओं के बीच वृद्धि को प्राथमिकता देने का लचीलापन देगी। हालांकि, वृद्धि की रफ्तार सुधरी है लेकिन असमान खपत, निजी पूंजीगत व्यय वृद्धि में कमी और विनिर्माण विकास में कमी जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं।

अमिताभ के साथ वक्त बिताना चाहती थीं रेखा,

रणजीत बोले - छोड़ दी थी फिल्म- लौटाया दिया था साइनिंग अमाउंट

अमिताभ बच्चन और रेखा को लेकर बहुत सारी कहानियां हैं- कुछ पर्दे पर, और बहुत सी पर्दे के पीछे। लेकिन बहुत कम कहानियां इतनी सीधी और खुलकर बताई गई हैं- जैसे कि ये। रणजीत ने एक ऐसा किस्सा याद किया जिसमें रेखा की एक पर्सनल रिक्वेस्ट की वजह से उनकी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म की कास्टिंग ही बदल गई।

2015 में रेडिफ के साथ बातचीत में रणजीत बोले, एक्टिंग छोड़ने के बाद मैंने एक स्क्रिप्ट लिखी और तय किया कि मैं एक फिल्म डायरेक्ट करूंगा जिसमें धर्मेंद्र, रेखा और जया प्रदा होंगे। ये एक बेहतरीन शुरुआत लग रही थी। रेखा, जो उनकी पुरानी दोस्त और

उनकी पहली फिल्म सावन भादों की को-स्टार थीं, इस प्रोजेक्ट का हिस्सा थीं। वो बोले कि, रेखा और मैं अच्छे दोस्त रहे हैं क्योंकि मैंने अपनी जिंदगी का पहला शॉट उन्हीं के साथ सावन भादों में दिया था, लेकिन कारनामा नाम की इस फिल्म को जल्दी ही एक ऐसा मोड़ मिला जिसका फिल्मों से कोई लेना-देना नहीं था। रणजीत ने बताया कि कारनामा का पूरा पहला शेड्यूल इवनिंग शिफ्ट में था। एक दिन रेखा ने मुझे फोन करके कहा कि क्या मैं शूटिंग की टाइमिंग सुबह कर सकता हूं, क्योंकि वह शाम का वक्त अमिताभ बच्चन के साथ बिताना चाहती थीं।हालांकि ये एक निजी रिक्वेस्ट थी, लेकिन उसे माना नहीं जा सका। मैंने विनम्रता से मना कर दिया, तो रेखा ने फिल्म छोड़ दी और साइनिंग अमाउंट वापस कर दिया।

फिल्म पर पड़ा असर

इसका असर तुरंत दिखा। फिल्म की शूटिंग में देरी हुई, धर्मेंद्र ने दूसरे प्रोजेक्ट्स में काम शुरू कर दिया और उन्होंने रेखा की जगह अनीता राज को लेने का सुझाव दिया। आखिरकार कारनामा फरहा, किमी काटकर और विनोद खन्ना के साथ पूरी हुई। रणजीत ने कहा कि फिल्म का बिजनेस औसत रहा जब वो 1990 में रिलीज हुई।रणजीत ने इसके बाद 1992 में गजब तमाशा नाम से एक और फिल्म बनाई, जिसमें अनु अग्रवाल और राहुल रॉय थे, लेकिन वो फिल्म भी नहीं चली। अमिताभ बच्चन और रेखा की ऑनस्क्रीन कैमिस्ट्री, खासकर सिलसिला (1981) में, लंबे समय से लोगों की चर्चा का विषय रही है। इस पर सालों से बातें, खबरें और कयास लगते रहे हैं।

पुलिस भर्ती परीक्षा में 17 मुन्ना भाइयों पर प्रकरण दर्ज

अपने स्थान पर कराया था सॉल्वर और दक्षता परीक्षा में शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक भर्ती वर्ष 2023 के अंतर्गत 7411 रिक्त पदों की पूर्ति के लिए कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा विज्ञापन जारी किया गया था। जिसका अंतिम परीक्षा परिणाम कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा 12 मार्च 2025 को उनकी वेबसाइट पर जारी किया है। जिसमें 6446 अभ्यर्थियों को अंतिम रूप से चयनित किया गया था। द्वितीय चरण के शारीरिक दक्षता परीक्षण के दौरान नवंबर 2024 में परीक्षा केन्द्र मुरैना में पांच अभ्यर्थियों द्वारा अपने स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति को शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल होने के लिए भेजा गया। इन पांचों को परीक्षा में शामिल न कर उन पर प्रकरण दर्ज किया गया। इस अनुभव के आधार पर पुलिस मुख्यालय

भोपाल ने अंतिम परिणाम जारी होने के बाद सभी सफल अभ्यर्थियों का चरित्र सत्यापन एवं नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान उनकी आवंटित इकाइयों से बायोमेट्रिक एवं आधार हिस्ट्री की जांच पुन: कराए जाने के निर्देश जारी किए। यह भी स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया कि सभी अभ्यर्थियों का चरित्र सत्यापन एवं मेडिकल परीक्षण के स्तर पर पुन: बायोमेट्रिक आधार हिस्ट्री आवश्यक रूप से सत्यापित की जाए। साथ ही ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने परीक्षा के ठीक पहले एवं परीक्षा के बाद अपना आधार बायोमेट्रिक अपडेट किया है। उनका परीक्षण किया जाए। प्रथम दृष्टया उनके द्वारा अनुचित साधन से परीक्षा पास करना सिद्ध होने पर तत्काल उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

17 अभ्यर्थियों पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

आवंटित इकाइयों ने नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान सभी अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक आधार हिस्ट्री जांच की गई, जांच पर पाया गया कि अद्यतन स्थिति तक 8 जिलों में उम्मीदवारों ने अपने आधार कार्ड में परीक्षा के पूर्व एवं परीक्षा के बाद बायामैट्रिक अपडेट (फोटो, फिंगर) कराया और अपने स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति (साल्वर) को परीक्षा में बिठा दिया। अत: प्रथम दृष्टया स्पष्ट हुआ कि अभ्यर्थी द्वारा इंप्रसोनेट करके अपने स्थान पर अन्य व्यक्ति से परीक्षा दिलाई। अनुचित तरीके से परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। यह कृत्य अपराध की श्रेणी में आने से आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। जिला-शिवपुरी, श्योपुर, इंदौर, ग्वालियर, अलीराजपुर, राजगड़, मुरैना, शहडोल में कुल 16 प्रकरणों में (17 अभ्यर्थियों पर) धोखाधड़ी एवं परीक्षा में अनुचित साधनों का उपयोग करने की धाराओं में प्रथम सूचना (एफआईआर) दर्ज की गई। इसमें 24 आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच की जा रही हैं। वर्तमान में चरित्र सत्यापन की कार्यवाही जिलों में चल रही है।

पुलिस ने दर्ज किया दहेज प्रताड़ना का प्रकरण, मेट्रीमोनियल साइट पर हुई थी मुलाकात

दहेज में आर्मी मैन ने मांगे 15 लाख रु. और बुलेट, मांग पूरी नहीं होने पर शादी कैंसिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मेट्रीमोनियल साइट पर रिश्ता होने के बाद सेना के जवान ने दहेज में 15 लाख रुपए नगदी और बुलट की मांग पूरी नहीं होने पर शादी कैंसिल कर दी। इसी साल जनवरी महीने में शादी तय हुई थी। अगले महीने शादी होना थी। इससे पहले ही दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर आर्मी मैन और उसकी मां ने शादी करने से मना कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आर्मी मैन और उसकी मां पर दहेज प्रताड़ना समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि नारियलखेड़ा निवासी 28 साल की युवती प्राइवेट जॉब करती हैं। पिता की मृत्यु हो चुकी है। कुछ महीने पहले मेट्रीमोनियल साइट पर उसकी पहचान राजू शर्मा नामक युवक से हुई थी। राजू शर्मा आर्मी मैन है और अवधपुरी इलाके में रहता है। सोशल साइट पर मुलाकात होने के बाद दोनों के बीच मोबाइल पर बात होने लगी। दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे। जनवरी 2025 में दोनों परिवारों के लोगों ने आपस में बातचीत कर रिश्ता पक्का कर दिया। रिश्ता तय होने के बाद भी युवती औ राजू शर्मा के बीच मोबाइल पर बात होती रही। इस बीच राजू शर्मा ने युवती से कहा कि शादी का बजट 15 लाख रुपए होना चाहिए और उसे बुलट भी चाहिए। युवती ने कहा कि उसके पिता नहीं हैं। घर की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह डिमांड पूरी कर सके। कुछ दिन पूर्व राजू शर्मा और उसकी मां रानी शर्मा ने

शादी करने से इंकार कर दिया। युवती और उसके परिजन ने राजू और उसकी मां को मनाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माने। शादी टूटने से दुखी होकर पीड़ित युवती ने महिला थाने जाकर राजू शर्मा व रानी शर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करा दिया।

आर्मी के हेड कांस्टेबल के घर से नगदी, पिस्टल और 6 जिंदा कारतूस चोरी

भोपाल। गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित प्रेम नगर नारियलखेड़ा में आर्मी के हेड कांस्टेबल के सूने मकान का ताला तोड़कर बदमाश नगदी, सहित लायसेंसी पिस्टल और 6 जिंदा कारतूस चुराकर ले गए। घटना के समय वह बिहार स्थित अपने पैतृक गांव गए हुए थे। पुलिस ने नकबजनी का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार प्रेम नगर नारियल खेड़ा निवासी मनोज कुमार आर्मी में सप्लाई कोर में हेड कांस्टेबल है। गत 5 मई को पिता की तबीयत खराब होने के कारण वह भोपाल पहुंचे। पिता की मौत होने के कारण वह 11 मई को परिवार के साथ बिहार में अपने गांव चले गए। 11 मई से उनका घर खाली था। इसी दौरान नकबजनों ने उनके सूने मकान का ताला तोड़ लिया। उनके प?ौसियों ने घर का ताला टूटा देखा और मनोज को सूचना दी। चोरी की जानकारी मिलने के बाद मनोज बुधवार को भोपाल पहुंचे तो घर का सामान बिखरा पड़ा था, वहीं घर से नकदी समेत लाइसेंसी पिस्टल और छह कारतूस नहीं थे। घटना की शिकायत उन्होंने गौतम नगर थाने पहुंचकर की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

छोटा भाई गया था काम पर, बड़े भाई ने लगा ली कमरे में फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित रत्नागिरी कॉलोनी में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने उसके कमरे में उसका मोबाइल जब्त किया है। सुसाइड नोट नहीं मिलने और मृतक के परिजन के बयान नहीं होने से आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। गुरुवार को शव का पीएम कराने के बाद शव परिजन को सौंपा जाएगा।

पुलिस के अनुसार नितिन विश्वकर्मा पिता अर्जुन विश्वकर्मा (18) रत्नागिरी तिराहा पेट्रोल पंप के सामने, रत्नागिरी कॉलोनी में रहता था। मूलत: थाना, देहगांव, जिला रायसेन के गांव में रहने वाला नितिन ग्लास फिटिंग का काम करता था। वह अपने छोटे भाई के साथ यहां किराए के कमरे में रह रहा था। बुधवार सुबह दस बजे छोटा भाई काम पर चला गया था, जबकि नितिन 11 बजे के आसपास काम पर जाता था। नितिन के परिजन ने उसे 11 बजे सुबह कॉल किया, लेकिन उसका कॉल रिसीव नहीं हो रहा था। परिजन ने छोटे बेटे को कॉल किया। उसने बताया कि वह काम पर आ गया है। जब वह काम पर आया तब भाई घर पर था। इसके बाद परिजन ने मकान मालिक को कॉल किया। मकान मालिक नितिन को देखने उसके कमरे में पहुंचा। कमरा अंदर से बंद था। काफी आवाज देने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो नितिन फांसी के फंदे पर लटका नजर आया।

डिप्रेशन में किसान ने खाया जहर, निजी अस्पताल में मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कोलार थाना क्षेत्र स्थित सेमरी कला में एक किसान ने जहर खा लिया। उन्हें चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहां इलाज के दौरान बुधवार दोपहर उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि उनका मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ था और करीब दस साल से परिजन उनका इलाज मनौचिकित्सक के पास करा रहे थे। पुलिस के अनुसार दिनेश मीणा पिता भैयालाल मीणा (48) गांव सेमरी कला, कोलार में रहते थे। उनका परिवार खेती किसानी करता है। करीब चार दिन पहले दिनेश ने घर में रखा जहर खा लिया। परिजन ने बताया कि उन्होंने गेहूं में कीड़े मारने रखी गोली खाईड़थी। उल्टियां होने पर उन्हें परिजन चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां उनका इलाज चल रहा था। बुधवार दोपहर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मिक्सी से मसाला पीसते समय लगा करंट, मौत

मिक्सर से निकले केबल की संपर्क में आ गया था

इधर नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित नाय समन गांव में करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। बताया जाता है कि वह मिक्सर में मसाला पीस रहा था, तभी मिक्सर से निकले केबल की संपर्क में आ गया। करंट लगने के बाद परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि बलवीर कुशवाह पिता देवीराम कुशवाह (28) नाय समन गांव में रहता था और प्राइवेट काम करता था। मंगलवार शाम वह घर पर था और मिक्सी में मशाला पीस रहा था। इसी दौरान मिक्सी के तार से उसे करंट लग गया। परिजन उसे अस्पताल ले गए, वहां कुछ ही देर बाद डॉक्टर ने बलवीर को मृत घोषित कर दिया।

बोट क्लब पर किया 2 भाइयों पर तलवार से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शहर में अपराध कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। आए दिन मारपीट, तलवार बाजी की घटना हो रही है। बोट क्लब पर युवकों ने चाट की दुकान लगाने वाले दो भाइयों पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों सहित एक अन्य पर एफआईआर दर्ज की है। श्यामला हिल्स पुलिस ने बताया कि श्लोक शर्मा और अर्जुन शर्मा बोट क्लब पर चाट का ठेला लगाते हैं। नया बसेरा के रहने वाले आशीष माटे, विशाल करोलिया और आशू माटे सहित एक अन्य अर्जुन की दुकान के बाहर बेवजह खड़े होने की बात को लेकर आरोपियों और फरियादी के बीच विवाद हो गया। इसी बीच आरोपियों तलवार से श्लोक के सिर पर हमला कर दिया। इसके अलावा डंडे और स्टूल से उसके भाई के साथ भी मारपीट की गई है।

होटल में पकड़ी 60 लाख की बिजली चोरी

146 किलोवाट का भार, दिखा रहा था जीरो

बायपास लाइन से चेंजओवर के जरिए कर रहे थे बिजली चोरी, मीटर किया गया था बायपास

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विद्युत वितरण कंपनी ने पहली बार किसी सिंगल कनेक्शन पर इतनी बड़ी बिजली चोरी पकड़ी गई। यह गैर-घरेलू कनेक्शन नासिर अहमद के नाम पर दर्ज है। बताया जाता है कि पता चला होटल के 18 कमरों, दो बैंक्वेट हॉल और अन्य स्थानों पर 146 किलोवॉट से अधिक का भार था, लेकिन मीटर में जीरो दिख रहा था। होटल पर 60 लाख 18 हजार 979 रुपए की क्षतिपूर्ति राशि का बिल जारी किया गया है। और विद्युत कनेक्शन काट दिया गया। बिल जमा न हुआ तो विशेष विद्युत न्यायालय में इसे पेश किया जाएगा। मीटर को चेंज ओवर से बायपास किया गया था, इसीलिए लोड के बाद

भी मीटर में रीडिंग नहीं आ रही थी। जबकि 45 एसी, 18 गीजर, लिट और अन्य विद्युत उपकरण लगे हैं। डीजीएम शहर संभाग उत्तर समीर शर्मा, जोन प्रबंधक राजीव कुमार की टीम के संयुक्त जांच अभियान में हनुमानगंज स्थित एसीपी कार्यालय के सामने वाली गली में सीएस एफसी होटल में चोरी पकड़ी गयी। बस स्टैंड जोन के अंतर्गत हमीदिया रोड स्थित सीएफएससी होटल में 60 लाख रुपए से अधिक की बिजली चोरी पकड़ी।

मेट्रो एंकर सुभाष नगर में श्मशान के पास कांप्लेक्स में बदमाशों ने की वारदात

रंजिश में युवक पर चाकू से जानलेवा हमला, गर्दन, पीठ और पैर में घाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित सुभाष नगर विश्राम घाट के सामने कांप्लेक्स में बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। युवक को गले के पास, पीठ और पैर में चाकू लगने से गंभीर चोट आई है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल के बयान दर्ज करने के बाद दो नामजद आरोपी और उनके अन्य साथियों पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार साकिब खान पिता वसीम खान (22) आचार्य नरेंद्र देव नगर, ऐशबाग में रहता है और प्राइवेट काम करता है।

आकाश, सोहेल उसके परिचित है। सभी साथ घूमते हैं। साकिब खान ने पुलिस को बताया कि आकाश और सोहेल उसके दोस्त जरूर है, लेकिन उनसे पुरानी रंजिश है। इसी रंजिश के चलते बुधवार रात करीब साड़े आठ बजे सुभाष नगर कांप्लेक्स में उसका आरोपियों से विवाद हो गया। विवाद बड़ने पर आकाश और सोहेल ने अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट की और चाकू से हमला कर दिया। चाकू का हमला गर्दन, पीठ और पैर पर हुआ है। इसके अलावा एक अन्य चोट आई है। घटना की जानकारी साकिब ने अपने परिचितों को दी। वह उसे लेकर अस्पताल पहुंचे थे। इधर देर रात अस्पताल से चाकूबाजी में घायल होने की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और साकिब से पूछताछ की। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने आकाश, सोहेल और उनके साथियों पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया कार्यकारी संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022